website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 26 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 06 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

तेल की राजनीति और अमेरिका का दबाव: भारत ने हर दौर में अपने हितों को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इराक हो या फिर रूस, जब-जब भारत ने अपने आर्थिक हितों को ध्यान में रखकर किसी देश से कच्चा तेल खरीदा, अमेरिका की आपत्ति सामने आती रही है। ताजा मामला रूस से सस्ते तेल की खरीद का है, जिस पर अमेरिका ने एक बार फिर भारत पर दबाव बनाने के संकेत दिए हैं। हाल ही में अमेरिका ने यह इशारा किया कि अगर भारत नवंबर तक रूस से तेल लेना बंद नहीं करता है तो उस पर टैरिफ बढ़ाया जा सकता है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने साफ कर दिया कि अमेरिका इस मुद्दे पर नरमी के मूड में नहीं है। हालांकि भारत ने बीते महीनों में अमेरिका से भी तेल आयात बढ़ाया है, इसके बावजूद अमेरिकी प्रशासन भारत पर दबाव बनाने से पीछे नहीं हट रहा। यह पहला मौका नहीं है जब तेल को लेकर भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाए गए हों। आजादी के बाद से ही भारत को तेल खरीद के फैसलों में राजनीतिक दबावों का सामना करना पड़ा है।

1947 से 1970 का दौर: बिना दबाव के तेल खरीद

आजादी के शुरुआती वर्षों में भारत की तेल जरूरतें सीमित थीं। देश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित थी और औद्योगिक गतिविधियां भी कम थीं। उस समय भारत ईरान, इराक और सऊदी अरब जैसे देशों से तेल खरीदता था। चूंकि ये देश पश्चिमी ताकतों के करीबी माने जाते थे, इसलिए अमेरिका को भारत की तेल नीति से कोई आपत्ति नहीं थी।

1970 का दशक: तेल बना ताकत का हथियार

1970 के दशक में आए वैश्विक तेल संकट ने यह साफ कर दिया कि तेल सिर्फ ईंधन नहीं बल्कि राजनीतिक ताकत भी है। भारत गुटनिरपेक्ष नीति पर कायम रहा, लेकिन तेल के लिए वही पारंपरिक देशों पर निर्भर रहा

जो अमेरिकी प्रभाव क्षेत्र में थे। इस वजह से अमेरिका उस समय भी संतुष्ट नजर आया।

1990 के बाद बदली स्थिति

1990 के दशक में भारत की अर्थव्यवस्था ने तेजी पकड़ी और तेल की खपत बढ़ने लगी। इसी दौर में भारत ने ईरान और इराक के साथ दीर्घकालिक तेल समझौते किए। लेकिन अमेरिका द्वारा इराक पर हमले और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों ने भारत के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी। तब पहली बार भारत ने महसूस किया कि तेल खरीद भी एक राजनीतिक फैसला बन चुकी है। साल 2000 के बाद ईरान भारत के लिए सस्ता और भरोसेमंद तेल आपूर्तिकर्ता बन गया, लेकिन अमेरिका को यह रिश्ता रास नहीं आया। परमाणु कार्यक्रम के नाम पर ईरान पर प्रतिबंध लगाए गए और भारत से तेल आयात घटाने को कहा गया। भारत ने संतुलन बनाते हुए खरीद कम की, लेकिन पूरी तरह बंद नहीं की।

ट्रंप के दौर में सख्ती

2016 में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका का रुख और सख्त हो गया। ईरान से तेल खरीद पर सीधे प्रतिबंध की धमकी दी गई। मजबूरी में भारत को ईरान से तेल लगभग बंद करना पड़ा, जो उसकी नीति नहीं बल्कि हालात की मजबूरी थी।

रूस से तेल और बदला हुआ भारत

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से सस्ते दाम पर तेल खरीदना शुरू किया। इससे भारत को बड़ा आर्थिक फायदा हुआ। अमेरिका ने नाराजगी जताई, लेकिन इस बार दबाव का तरीका बदला हुआ था। वजह साफ है—भारत अब वैश्विक मंच पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में है। भारत का अनुभव यही बताता है कि तेल कभी साधारण सौदा नहीं रहा। हर दौर में राजनीति, दबाव और रणनीति इसमें जुड़ी रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले भारत दबाव में फैसले बदलता था और आज अपने विकल्पों के दम पर देशहित में निर्णय ले रहा है। यही बदली हुई भारत की पहचान है।

'मैं कभी पार्टी लाइन से नहीं हटा': मोदी-आडवाणी पर बयान से लेकर कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव तक, शशि थरूर ने दी सफाई

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद और कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) के सदस्य शशि थरूर ने साफ कहा है कि वह कभी भी पार्टी लाइन से अलग नहीं हुए हैं। उनके हालिया बयानों और लेखों को लेकर उठे विवादों पर प्रतिक्रिया देते हुए थरूर ने कहा कि उन्होंने हमेशा पार्टी की विचारधारा के दायरे में रहकर ही अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों को अक्सर अधूरी जानकारी और सुर्खियों के आधार पर गलत तरीके से पेश किया जाता है। सोमवार (5 जनवरी, 2025) को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सुल्तान बाथरी में आयोजित 'मिशन 2026' नेतृत्व शिविर में हिस्सा लेने के बाद शशि थरूर ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "मेरा सवाल यह है कि किसने कहा कि मैंने पार्टी की विचारधारा का उल्लंघन किया है? मैंने अलग-अलग विषयों पर अपनी राय जरूर रखी है, लेकिन ज्यादातर मामलों में पार्टी और मेरा रुख एक ही रहा है।"

पोस्ट और लेखों पर क्यों होता है विवाद

थरूर ने कहा कि संसद में मंत्रियों से पूछे गए सवालों की एक स्पष्ट दिशा थी और पार्टी को उससे असहज नहीं होना चाहिए। उन्होंने मीडिया की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि विवाद अक्सर तब पैदा होता है, जब लोग पूरा लेख या पोस्ट पढ़े बिना केवल हेडलाइन के आधार पर राय बना लेते हैं। तिरुवनंतपुरम सांसद ने कहा, "जब मैं लोगों से पूछता हूं कि क्या उन्होंने वास्तव में पूरा लिखा हुआ पढ़ा है, तो

ज्यादातर लोग 'न' में जवाब देते हैं। पूरा पाठ पढ़ने के बाद असली मुद्दा समझ में आता है।" उन्होंने यह भी कहा कि वह पिछले 17 वर्षों से कांग्रेस में हैं और पार्टी के सहयोगियों के साथ उनके संबंध अच्छे रहे हैं। थरूर के मुताबिक, फिलहाल किसी तरह की गलतफहमी पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव पर बयान

यह पूछे जाने पर कि क्या उनके बयानों को लेकर विवाद कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के बाद शुरू हुआ, थरूर ने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और यहां आंतरिक चुनाव कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा, "मैंने चुनाव लड़ा और हार गया, बात यहीं खत्म हो गई। इसमें कोई कहानी नहीं है। पार्टी के इतिहास में कई नेताओं ने चुनाव लड़े हैं, किसी ने जीता, किसी ने हारा।"

आडवाणी और मोदी पर टिप्पणी की सफाई

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी पर दिए गए बयान को लेकर थरूर ने कहा कि यह उनके 98वें जन्मदिन पर शिष्टाचारवश कही गई बात थी। उन्होंने कहा, "हमारी संस्कृति हमें बड़ों का सम्मान करना सिखाती है और मैंने वही किया।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ के रूप में देखे गए बयानों पर भी थरूर ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कही गई बातों को उद्‌त किया था। "अगर कोई पूरा पोस्ट पढ़ेगा, तो साफ हो जाएगा कि उसमें प्रशंसा जैसी कोई बात नहीं थी," थरूर ने कहा।

केरल चुनाव और भविष्य की राजनीति

केरल विधानसभा चुनाव को लेकर शशि थरूर ने कहा कि उम्मीदवारों का चयन पार्टी नेतृत्व और नेताओं से सलाह-मशवरे के बाद किया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) केरल में सत्ता में आएगा। मुख्यमंत्री पद के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और अंतिम फैसला विधायकों से परामर्श के बाद ही होगा। थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि संसदीय जिम्मेदारियों के बावजूद वह केरल की राजनीति में सक्रिय रहेंगे और आने वाले विधानसभा चुनाव में पहले से ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं को भी सरकार और सुरक्षा बलों पर भरोसा रखना चाहिए

-गाजियाबाद में हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी के नेतृत्व में तलवारें बांटी गई
-वहीं एआईएमआईएम के कार्यकर्ताओं ने जवाब में घर-घर जाकर पेन और फूल बांटने का काम किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी के नेतृत्व में गाजियाबाद में हिंदू परिवारों को घर-घर जाकर तलवारें बांटी गईं । पिंकी चौधरी का कहना है कि हिंदुओं को अपनी बहन-बेटियों की रक्षा के लिए अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी । वैसे 6 इंच के चाकू से बड़ा हथियार रखना, चलाना या बांटना गैर-कानूनी माना जाता है । पिंकी चौधरी जो हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष है, को यह बात समझने की जरूरत है कि देश में 80% हिंदू हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह जैसे हिंदूवादी नेताओं के हाथ में देश की बागडोर है । देश की तीनों सेनाओं के प्रमुख हिंदू हैं और भारतीय सेना में 98% सैनिक हिंदू हैं, देश की अर्द्धसुरक्षा बल, पुलिस बल में भी अधिकारी और सिपाही हिंदू हैं । देश की ब्यूरोक्रेसी में आईएएस से लेकर चपरासी तक के पदों पर 98% लोग हिंदू हैं । देश में हिंदू मुस्लिम की जनसंख्या का अनुपात 80:20 का है । मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि लगातार घटती जा रही है । एक हज़ार वर्षों तक मुसलमानों की जनसंख्या हिंदुओं के बराबर नहीं होने वाली है, फिर हिंदू सुरक्षा बल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी और कुछ हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को ऐसा क्यों लगता है कि हिंदुओं को मुसलमानों से खतरा है ! जबकि देश में 16 प्रतिशत मुसलमानों में भी 95% गरीबी की रेखा से नीचे जीवन जी रहे हैं, ज्यादातर अशिक्षित हैं और राजनीति से अनभिज्ञ हैं । फिर भी मुसलमानों का डर समझ से परे है, कल्पना है, साइकोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें कोई सच्चाई नहीं है । पिंकी चौधरी और अन्य हिंदू कार्यकर्ताओं को देश के शासकों, सेनाओं, पुलिस और प्रशासन पर भरोसा रखना चाहिए, क्योंकि जो सोच रहे हैं उसमें कुछ भी सच्चाई नहीं है । अगर

इसमें सच्चाई होती तो सरकार पिंकी चौधरी को क्यों गिरफ्तार करती ?

फूल और कलम बांटना उचित है-

एआईएमआईएम के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में घर-घर जाकर कलम और फूल बांटे और कहा गया कि जीवन में शिक्षा ही ज़रूरी है जिसके लिए कलम जरूरी है । इसी तरह आपस में शांति, भाईचारा एवं मिल-जुलकर रहना देश के विकास के लिए बहुत जरूरी है । देश के हर व्यक्ति और संगठन को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए । देश में आपसी एकता, भाईचारा बढ़ेगा तो देश मजबूत होगा । देश में माहौल बदलना जरूरी है । देश के प्रत्येक बच्चे को उच्च शिक्षा तक पहुंचना जरूरी है, शिक्षित नागरिक ही देश को आगे ले जाने में सहयोग कर सकता है । देश में राजनीति के मुद्दे भी शिक्षा, रोजगार, विकास, तकनीक, सामाजिक सुधार एवं मूलभूत आधार का विकास होना चाहिए । देश में लोग दुर्घटनाओं, कफ सीरप, नशाखोरी, ड्रग से सैंकड़ों की संख्या में मर रहे हैं, उनके लिये भी आवाज़ उठानी चाहिए । बेसहारा और गरीबों की सहायता के बारे में भी सोचना जरूरी है ।

पुणे नगर निगम चुनाव से पहले सियासी तकरार तेज

- CM फडणवीस ने अजित पवार को दिखाए सख्त तेवर

नई दिल्ली । पुणे नगर निगम चुनाव से पहले महाराष्ट्र की राजनीति में गर्माहट साफ नजर आने लगी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ताजा बयान ने सियासी माहौल को और तीखा कर दिया है। सोमवार (5 जनवरी) को पुणे के कटराज में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सीएम फडणवीस ने डिप्टी सीएम अजित पवार का नाम लिए बिना लेकिन साफ इशारों में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्हें उकसाया गया तो वह भी चुप नहीं बैठेंगे और खुलकर जवाब देंगे। सीएम फडणवीस ने कहा कि पुणे का चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, राजनीतिक बयानबाजी तेज होती जा रही है। उन्होंने कहा, "एक दादा आरोप लगा रहे हैं, दूसरे दादा जवाब दे रहे हैं और अन्ना भी बोल रहे हैं। अब चुनाव पूरी तरह जोर पकड़ चुका है। अगर हम बार-बार अतीत की बात करेंगे तो लोगों को यह बताना पड़ेगा कि किसने क्या किया है और इससे कई तरह की मुश्किलें खड़ी होंगी। इसलिए मैंने तय किया है कि जब मुझे उकसाया जाएगा, तो मैं भी जवाब दूंगा। अगर

जवाब नहीं दूंगा तो यह मेरी कमजोरी समझी जाएगी।" हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका मुख्य फोकस विकास पर ही रहेगा।

15 जनवरी को होगी वोटिंग

गौरतलब है कि पुणे समेत महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के लिए 15 जनवरी को मतदान होना है। पुणे नगर निगम चुनाव में इस बार सत्तारूढ़ महायुति के सहयोगी दल भी अलग-अलग मैदान में उतर रहे हैं। बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी तीनों ही स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही हैं। पुणे महानगरपालिका पर वर्ष 2017 से 2022 तक बीजेपी का कब्जा रहा है, ऐसे में यह चुनाव सभी दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है।

अजित पवार के बयान से बढ़ी तल्खी

सीएम फडणवीस का यह बयान ऐसे समय आया है, जब डिप्टी सीएम अजित पवार ने पुणे की बदहाल स्थिति को लेकर तीखे सवाल उठाए थे। रविवार (4 जनवरी) को बनेर इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान अजित पवार ने कहा था कि पुणे को केंद्र और राज्य सरकार से भारी वित्तीय सहायता मिली, लेकिन स्थानीय नेतृत्व शहर के वास्तविक विकास में विफल रहा। उन्होंने पानी की किल्लत, सड़कों पर गड्ढे, कचरे के ढेर, भारी ट्रैफिक और बिगड़ती कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि इन समस्याओं को हल करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। पवार ने यह भी कहा कि वह पुणे में सक्रिय 'कोयता गैंग' को खत्म करना चाहते हैं और शहर में कानून-व्यवस्था मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है। पुणे नगर निगम चुनाव से पहले सहयोगी दलों के बीच इस तरह की बयानबाजी ने यह साफ कर दिया है कि मुकाबला इस बार बेहद दिलचस्प और कड़ा होने वाला है।

बिना टिकट यात्रा पर पश्चिम रेलवे की सख्ती, ₹155 करोड़ से ज्यादा की वसूली

नई दिल्ली। पश्चिम रेलवे ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ सख्त टिकट जांच अभियान चलाते हुए अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच ₹155.46 करोड़ का जुर्माना वसूला है। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में लगभग 49 प्रतिशत अधिक है। रेलवे के अनुसार, यह अभियान मुंबई उपनगरीय, मेल–एक्सप्रेस, पैसेंजर और हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों में लगातार चलाया गया। इस दौरान अकेले मुंबई उपनगरीय खंड से ₹41.26 करोड़ की वसूली की गई। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि दिसंबर 2025 में बिना टिकट या अनियमित यात्रा के 2.51 लाख मामले पकड़े गए, जिनसे ₹15.54 करोड़ का जुर्माना वसूला गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है।

सरकार जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रही है - डोटासरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने जानबूझ कर पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कार्यकाल पूर्ण होने के एक वर्ष पश्चात भी नहीं करवा कर राजस्थान की जनता खासकर ग्रामीण क्षेत्र के हक और हितों के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव ना कराना न सिर्फ संवैधानिक चूक है, बल्कि प्रदेश के गांवों के विकास पर सीधा हमला भी है। डोटासरा ने राज्य सरकार से मांग की है कि मार्च, 2026 से पूर्व पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव सम्पन्न करवायें जायें अन्यथा समय पर चुनाव नहीं होने से केन्द्र सरकार से प्रदेश के विकास हेतु मिलने वाला 3000 करोड़ रूपये का विकास फण्ड मार्च, 2026 में लैप्स हो जाएगा। इससे ग्रामीण विकास कार्य ठप्प हो जाएंगे।

कांग्रेस पार्टी बार-बार समय पर चुनाव कराने हेतु राज्य सरकार से मांग कर रही है और ग्रामीण विकास के लिये केन्द्र से मिलने वाले फण्ड के लैप्स हो जाने को लेकर भी राज्य सरकार को चेताने का कार्य किया है। राजस्थान सरकार को जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए और हर हाल में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव मार्च, 2026 से पहले संपन्न करवाकर ग्रामीण विकास का पैसा जारी हो इस हेतु कार्य करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और बीजेपी के बीच 'मंदिर राजनीति' का चुनाव पर क्या असर होगा?

-भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ने हिंदुओं के ज्यादातर वोट लेने की योजना बनाई

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक प्रतीकों को लेकर राजनीति एक बार फिर तेज़ होती दिख रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार के मंदिर और सांस्कृतिक परिसरों से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स की घोषणाओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच सियासी टकराव को और गहरा कर दिया है। 30 दिसंबर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में 'दुर्गा आंगन' नामक सांस्कृतिक परिसर की आधारशिला रखी। यह परियोजना दुर्गा पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मिली मान्यता के सम्मान से जोड़ी जा रही है। राज्य सरकार के मुताबिक, 17 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बनने वाले इस परिसर में दुर्गा मंदिर के साथ शिव, गणेश, कार्तिक, सरस्वती और लक्ष्मी के मंदिर भी होंगे। इस परियोजना पर लगभग 262 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बीबीसी हिंदी के व्हॉट्सऐप चैनल से जुड़ने के लिए यहाँ क्लिक करें। ममता बनर्जी ने इस मौके पर कहा, "दुर्गा पूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह बंगाल की संस्कृति और विरासत का हिस्सा है। इसे संरक्षित करना हमारी ज़िम्मेदारी है।" बीजेपी ने इस परियोजना को चुनावी तुष्टिकरण करार दिया है। बीजेपी नेताओं का आरोप है कि टीएमसी चुनाव से पहले हिंदू भावनाओं को साधने की कोशिश कर रही है। पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, "ममता बनर्जी की 'दुर्गा आंगन' परियोजना उनकी राजनीति की तरह तुष्टिकरण में डूबी हुई है। यह बंगाली हिंदुओं की आस्था का मज़ाक है और भक्ति को वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।"

बीजेपी के आरोपों पर ममता बनर्जी का जवाब-

हालांकि ममता बनर्जी ने बीजेपी के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा, "जब कोई धार्मिक सहायता के लिए आता है, चाहे हिंदू हो, मुस्लिम, जैन, ईसाई या पारसी, तो कुछ लोग

कहते हैं कि मैं तुष्टिकरण करती हूं। मैं तुष्टिकरण नहीं करती। मैं सच्चे मायनों में धर्मनिरपेक्ष हूं।" "आप मुझे एक भी धर्म नहीं दिखा सकते जिसके कार्यक्रम में मैं नहीं जाती। गुरुद्वारे में जाती हूं तो सिर ढकती हूं, तब कोई आपत्ति नहीं करता। फिर ईद के कार्यक्रम में जाने पर आपत्ति क्यों होती है?" 'दुर्गा आंगन' ममता बनर्जी की हालिया धार्मिक और सांस्कृतिक पहलों की श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले दीघा में जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई। सरकार के मुताबिक जनवरी के दूसरे सप्ताह में उत्तर बंगाल में महाकाल मंदिर की आधारशिला रखी जाएगी।

कोलकाता स्थित राजनीतिक विशेषज्ञ मैदुल इस्लाम का कहना है, "मुझे लगता है कि ममता अब बीजेपी को उसी के मैदान पर ललकार रही हैं, वे खुद ब्राह्मण हैं। ममता वोटिंग व्यवहार और पैटर्न को बहुत अच्छे से समझती हैं और विभिन्न समूहों को संभालती हैं।" "पिछले दस सालों से बीजेपी लगातार उनके खिलाफ प्रचार कर रही है कि वे हिंदू-विरोधी नेता हैं। जब बीजेपी पश्चिम बंगाल में प्रमुख विपक्षी ताकत बन गई, तब से पूरी तस्वीर बदल गई। 2011-2016 के बीच ऐसा नहीं था। जब राज्य में वामपंथी राजनीति कमजोर हो गई, तब यह बयानबाजी होना तय था।"

बाबरी मस्जिद की छाया और हुमायूं कबीर-

मंदिर राजनीति के बीच बाबरी मस्जिद का मुद्दा भी बंगाल की राजनीति में उभरा है। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया है कि जहां एक ओर टीएमसी हिंदू मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है, वहीं अल्पसंख्यक वोट बैंक को भी संदेश दिया जा रहा है। टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद ज़िले में एक मस्जिद की आधारशिला रखी थी। इसके बाद वहां बड़ी संख्या में लोग दान और निर्माण सामग्री लेकर पहुंचे। पार्टी ने इस घटना के बाद कबीर को निलंबित कर दिया। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में दौरे करते समय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "'मंदिर और मस्जिद' की राजनीति कौन कर रहा है? एक पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक हैं और दूसरी तृणमूल कांग्रेस खुद। बंगाल की जनता को फैसला करना होगा कि चुनाव नजदीक आने पर इस तरह की चीजें करना कितना उचित है।" वहीं ममता बनर्जी मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों को लगातार खारिज करती रही हैं। वहीं 22 दिसंबर को हुमायूं कबीर ने नई पार्टी बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, "मुस्लिम समुदाय अब अपना प्रतिनिधित्व चाहता है।" उन्होंने यह भी दावा किया, "मुस्लिम वोटों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अगर उनकी आवाज़ दबाई गई, तो राजनीतिक नतीजे सामने आएंगे।" मैदुल इस्लाम हालांकि मानते हैं कि ममता का हिंदुत्व बीजेपी के हिंदुत्व से अलग है। मैदुल इस्लाम ने कहा, "2019 के लोकसभा चुनाव से हिंदू मतदाता बीजेपी को वोट दे रहे हैं। एससी, एसटी और ओबीसी जैसे कुछ समुदायों में यह 60% से अधिक हो गया है। चूंकि मुस्लिमों के पास कहीं और जाने का विकल्प नहीं है और उनका वोट कहीं और नहीं जाएगा, इसलिए ममता ने यह गणना की है कि वे वोट तो देंगे ही, इसलिए हमें हिंदू वोटों पर ध्यान करना होगा। उनकी हिंदुत्व बीजेपी की हिंदुत्व से बहुत अलग है। यह बंगाली देवी-देवताओं जैसे जगन्नाथ, महाकाली और दुर्गा के इर्द-गिर्द केंद्रित है।"

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सुप्रीम कोर्ट की पहल: सड़क अनुशासन और सुरक्षा की नई उम्मीद

देश में सड़क हादसे आज एक ऐसी त्रासदी बन चुके हैं, जिन पर हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। यह स्थिति सिर्फ किसी एक कारण से नहीं, बल्कि सामूहिक लापरवाही, अनुशासनहीनता और व्यवस्था की कमियों का परिणाम है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सड़क सुरक्षा के संबंध में दिए गए हालिया निर्देश न सिर्फ समय की मांग हैं, बल्कि इन्हें सख्ती से लागू किया जाना समाज के हर नागरिक की सुरक्षा के लिए जरूरी भी है। अदालत ने लेन में ड्राइविंग, हेलमेट की अनिवार्यता, सड़कों के डिजाइन और पैदल यात्रियों की सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए हैं। अगर ये निर्देश ईमानदारी से लागू किए जाएं तो देश में सड़क हादसों में बड़ी कमी लाई जा सकती है। असलियत यह है कि भारत में अधिकांश लोग ट्रैफिक नियमों को सलाह की तरह लेते हैं, न कि अनिवार्य नियम के रूप में। लाल बत्ती पर रुकना, निर्धारित लेन में चलना, सीट बेल्ट और हेलमेट पहनना—ये सब बातें कानून में दर्ज हैं, लेकिन सड़क पर शायद ही कभी इनका पालन होता दिखाई देता है। यह सोच हमारे सामाजिक अनुशासन की कमी को भी उजागर करती है। वाहन चलाने वाला व्यक्ति मानता है कि थोड़ी जल्दबाजी या नियम तोड़ने से उसका समय बचेगा, जबकि यही लापरवाही कई बार जानलेवा साबित होती है। परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, हर साल देश में डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क हादसों में जान गंवाते हैं। इनमें से सबसे अधिक संख्या पैदल चलने वालों और दोपहिया चालकों की होती है। ये वही लोग हैं जिनकी सुरक्षा को लेकर न तो चालक गंभीर होते हैं और न ही व्यवस्था। सड़कों का अव्यवस्थित डिजाइन, बिना ज़ेब्रा क्रॉसिंग के चौक, टूटी हुई सड़कों पर चलती तेज रफ्तार गाड़ियाँ—ये सब मिलकर हादसों को न्योता देते हैं। पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित फुटपाथ और उचित सिग्नल व्यवस्था का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। हादसों के पीछे एक और अहम कारण है ड्राइविंग में अनुशासन की कमी। अक्सर देखा जाता है कि लोग मोबाइल फोन पर बात करते हुए, ओवरस्पीडिंग करते हुए या शराब के नशे में वाहन चलाते हैं। यह प्रवृत्ति न सिर्फ खुद उनके लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी खतरा बन जाती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन केवल कानूनी मजबूरी नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर कठोर सजा दी जाए और इसके साथ ही लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जाए। स्कूलों से लेकर ड्राइविंग लाइसेंस देने वाली संस्थाओं तक, हर स्तर पर ट्रैफिक अनुशासन को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। सड़कों पर निगरानी बढ़ाने के लिए कैमरों और ऑटोमैटिक चालान प्रणाली को भी सशक्त किया जाना चाहिए ताकि लापरवाह चालक नियम तोड़ने से पहले सौ बार सोचें।

रिश्वतखोरी का खेल: भारत में घूसखोरी उजागर करने पर सुधार की बजाय अक्सर प्रतिशोध देखने को मिलता है

-जब ईमानदारी बन जाए खतरा — संस्थागत भ्रष्टाचार, प्रतिशोध और सुधार की जद्दोजहद के बीच फँसा भारतीय व्यवसायिक तंत्र

भारत की आर्थिक नीतियाँ और व्यापारिक माहौल जितना तेजी से बदल रहे हैं, उतनी ही तीव्रता से उन पर संस्थागत बाधाएँ और भ्रष्टाचार की जड़ें असर डालती दिखाई देती हैं। सुधार के नाम पर शुरू किए गए कदम, जीएसटी से लेकर निर्यात-प्रोत्साहन तक, अगर जमीन पर पारदर्शिता और नियमों के सही-सही पालन से नहीं जुड़ते तो वे सिर्फ कागज़ी कवायद बनकर रह जाते हैं। हालिया दिनों में एक ऐसा मामला उभरा है जिसने यह संकेत और भी तेज़ कर दिया — विनट्रैक (Wintrack Inc.) का आरोप कि उसने चेन्नई कस्टम्स में दो बार रिश्वतखोरी उजागर की, और इसके बाद विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रतिशोध कर कंपनी के व्यापार को 'प्रभावी ढंग से नष्ट' किया गया — जिसके परिणाम स्वरूप कंपनी ने भारत में अपने इम्पोर्ट/एक्सपोर्ट ऑपरेशन्स बंद करने की घोषणा कर दी। यह मामला केवल एक व्यापारिक विवाद नहीं है; यह उस भयावह संदेश का प्रतीक है जो घूसखोरी उजागर करने वालों को मिलता है — सुधार की उम्मीद के बजाय बदले की भावना। नीचे इस लेख में हम समस्या की तह तक उतरने की कोशिश करेंगे — किन-किन तरीकों से रिश्वतखोरी भारत के कारोबारी और आम जीवन को प्रभावित करती है, जब कोई घूसखोरी को उजागर करता है तो क्या व्यवहारिक dificuldades (मुश्किलें) आती हैं, और किन नीतिगत, संस्थागत व नागरिक समाधानों से हम इस दुष्चक्र को तोड़ सकते हैं। लिखते समय मैंने कोशिश की है कि भाषा सरल रहे, आम लोग आसानी से समझ सकें और लेख में कुछ जगहों पर रोज़मर्रा की बोलचाल की उर्दू-

लफ़्ज़ (देवनागरी में) भी शामिल करूँ ताकि पढ़ने में रस आए और भाव-प्रकट करने में असर रहे।

समस्या की पृष्ठभूमि: भ्रष्टाचार की परिभाषा और उसे उजागर करने का खतरा

भ्रष्टाचार साधारण शब्दों में वह प्रक्रिया है जिसमें सार्वजनिक पदों, नियमों या प्रक्रियाओं का दुरुपयोग कर निजी लाभ प्राप्त किया जाए — नकद रिश्वत, बेनामी लेन-देन, नज़राना, फेवरिटिज़्म (नफ़रत-रहित तरजीह) वगैरह। पर यह सिर्फ़ पैसों का खेल नहीं; यह भरोसे के साथ भी खेलता है — जब दे रहा व्यक्ति और ले रहा अधिकारी दोनों सिस्टम के भीतर नियमित तौर पर एक ख़ास तरह की समझदारी बना लेते हैं, तो वह व्यवस्था 'नियमों से ज़्यादा रिश्वत तक चलने लगती है'। ऐसे में जो कोई इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज़ उठाता है, उसे अक्सर अकेला, असुरक्षित और निशाने पर पाता है। विनट्रैक का मामला बताता है कि किसी भी कंपनी द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायत करने पर अगर जांच करने वाले संस्थान या विभाग जवाबदेही नहीं निभाते, या दर्ज शिकायतकर्ता के खिलाफ प्रक्रियात्मक कार्यवाही कर देते हैं, तो परिणाम विनाशकारी होते हैं — व्यापार बंद, रोज़गार प्रभावित, और निवेश का माहौल खराब। साथ ही, ऐसे मामलों से एक chilling effect (डर का माहौल) बनता है — यानी दूसरे कारोबारी और नागरिक भी चुप रहने लगते हैं क्योंकि उन्हें डर होता है कि आवाज़ उठाने पर उनको नुकसान होगा।

आँकड़े और रुझान: अंतरराष्ट्रीय नजरिया और भारत का स्थान

ट्रांसपेरेन्सी इंटरनेशनल का 'Corruption Perceptions Index (CPI) 2024' बताता है कि दुनिया भर में पारदर्शिता की हालत अभी भी कमजोर है और कई देशों की रेटिंग गिर रही है। भारत इस सूची में 180 देशों में 96वें स्थान पर है, और उसका स्कोर 38 है — जो 2023 के 93वें स्थान (स्कोर 39) और 2022 के 85वें स्थान (स्कोर 40) से गिरावट दर्शाता है। इसका अर्थ केवल रैंक का नहीं; यह संकेत है कि भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की पारदर्शिता पर अब दुनिया की नजर अधिक आशंकित होकर रख रही है। ऐसे आँकड़े देश की साख, निवेश की आकर्षकता और नीति-निर्माण की विश्वसनीयता पर असर डालते हैं। यहाँ ध्यान देने वाली बात यह है कि रेटिंग और स्कोर सिर्फ़ संख्या नहीं; ये संकेत देते हैं कि रोज़मर्रा के नागरिक, व्यापारी और निवेशक कितनी जल्दी सरकारी प्रक्रियाओं पर भरोसा कर पाएँगे। जब भरोसा कम होता है, पूँजी बाहर जाती है, विदेशी निवेश झिझकता है, और घरेलू निवेशकों की चुस्ती—जुर्म (उद्योग से हटने की प्रवृत्ति) बढ़ती है।

जमीन पर हकीकत: कारोबारी ज़िन्दगी और छोटे-बड़े हादसे

भारत में कारोबार शुरू करना और चलाना आधिकारिक तौर पर सरल हो सकता है—नए नियम, डिजिटलीकरण, ई-निवेदन प्रणाली आदि। लेकिन जमीन पर कई बार ऐसा नहीं दिखता। जमीन खरीदने से लेकर फ़ैक्ट्री का लाईसेंस लेने, फ़ायर एनओसी और बिजली कनेक्शन तक — हर स्टेप के पीछे दलाल (इंटरमीडियरी), अधिकारी की मनमानी, और कई बार रिश्वतखोरी की उम्मीद बैठी रहती है। छोटे व्यापारी के सामने यह दुविधा रहती है कि नियमों का पालन कर कर अपना काम धीमा कर लें या त्वरित निपटान के लिए 'नज़राना' दें और बाजार में टिके रहें। यह समस्या सिर्फ़ बड़े नक़दी के मामले नहीं; नियमित, छोटे-छोटे भुगतान जो 'नामी' नहीं होते—वो भी कारोबारियों की लागत बढ़ा देते हैं और असल में वे उपभोक्ता की जेब पर असर डालते हैं। इन छोटे-छोटे भुगतान का भार जमा होकर आखिरकार महंगाई और सेवाओं की घटती गुणवत्ता में बदल जाता है। व्यापारियों के लिए सबसे ज़्यादा पीड़ादायक पक्ष यह है कि जब वे भ्रष्टाचार को उजागर करते हैं, तो उन्हें अक्सर वैसा प्रतिशोध झेलना पड़ता है जो उनके अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे—बिना किसी ट्रांसपेरेंट जांच के कागज़ों पर अभियोग, कस्टम्स में देरी, शिपमेंट रोका जाना, लाइसेंस रोकना आदि। विनट्रैक के आरोपों में भी इसी तरह की प्रक्रियात्मक प्रताड़ना का जिक्र है — कंपनी का कहना है कि शिकायत के बाद प्रतिशोध के तौर पर उनके शिपमेंट रोक दिये गए और व्यापार को बुरी तरह प्रभावित किया गया।

घूसखोरी उजागर करने वालों का डर — प्रतिशोध के रूप

घोषित और अनघोषित प्रतिशोध के कई रूप होते हैं: प्रक्रियात्मक देरी: कस्टम्स, लाइसेंस या अन्य विभागों में जानबूझकर फाइलों पर देरी करना ताकि व्यापार या सेवा देरी से प्रभावित हो। दंडात्मक कार्रवाई: नियमों का अनुपालन न करने के कथित आरोप लगाकर जुर्माना, छापेमारी, या व्यवसायिक पहचान को क्षति पहुँचाना। सूचनाओं का लीक/बेहद नकारात्मक प्रचार: झूठे आरोपों के ज़रिये कंपनी या व्यक्ति की छवि खराब करना। कानूनी उलझनें: फ़र्जी मामलों का पल्ला कर कानूनी लड़ाइयों में उलझा देना, जिससे आर्थिक और मानसिक दबाव बढ़े। रश्वत मांगना और फिर न दिए जाने पर हर्जाना देना: पहली मांग पूरी न होने पर विभिन्न तरह से कारोबार को प्रभावित करना। विनट्रैक के विवाद में इन चिह्नों का एक मिश्रित रूप देखा गया — कंपनी ने दावा किया कि जानबूझकर हो रही परेशानियों से उनका कारोबार ठप्प हो गया, जबकि कस्टम्स ने आरोपों का खंडन किया। बाद में केंद्र और संबंधित संस्थानों ने जाँच का आदेश दिया — यह संकेत है कि आरोपों की गम्भीरता को सरकार ने भी नज़रअंदाज़ नहीं किया, पर सवाल यह है कि कितनी जल्दी निष्पक्षता और पारदर्शिता से जाँच होगी और शिकायतकर्ता को कितनी सुरक्षा मिलेगी।

क्यों उजागर करने पर सुधार नहीं बल्कि प्रतिशोध होता है? — संस्थागत कारण

कई बार शिकायत या खुलासा करने पर सुधार न होने के पीछे संस्थागत कारण गहराई में होते हैं: सत्ता की बेमकसद सुरक्षा: कुछ विभाग या अधिकारी अपने इन्फ्लुएंस (प्रभाव) और आय के स्रोतों को बचाए रखना चाहते हैं; खुलासा उनके हित के खिलाफ माना जाता है, इसलिए वे प्रतिशोध के रास्ते अपनाते हैं। खराब जवाबदेही तंत्र: अगर शिकायत-निवारण संस्थान स्वतंत्र, सक्षम और जवाबदेह नहीं हैं।

एनसीआरबी रिपोर्ट में अपराध पीड़ितों को मिले मुआवज़ों के आंकड़े भी शामिल किए जाएं

-न्याय से परे सवाल: क्या हर अपराध पीड़ित को मिला मुआवज़ा?

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताज़ा रिपोर्ट 'भारत में अपराध-2023' के अनुसार देश में वर्ष 2023 में कुल 62,41,569 संज्ञेय अपराध दर्ज हुए। यह संख्या केवल कागज़ों पर दर्ज मामलों का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि इसके पीछे करोड़ों ज़िंदगियों की पीड़ा, अन्याय, और असुरक्षा की कहानियाँ छिपी हैं। अपराध का असर केवल अपराधी और पीड़ित तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज में डर, अविश्वास और असमानता का वातावरण पैदा करता है। भारत जैसे विशाल देश में जहां सामाजिक और आर्थिक विषमताएँ पहले से गहरी हैं, वहां अपराध का दंश सबसे ज़्यादा उन लोगों को झेलना पड़ता है जो आर्थिक रूप से कमज़ोर और कानूनी रूप से असुरक्षित हैं। किसी अपराध के बाद जब कोई परिवार अपने सदस्य को खो देता है — ख़ासकर अगर वह परिवार का एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति हो — तो वह केवल भावनात्मक नहीं बल्कि अस्तित्व का संकट बन जाता है।

अपराध पीड़ित को मुआवज़ा: न्याय का आवश्यक हिस्सा

आपराधिक न्याय प्रणाली का उद्देश्य केवल अपराधी को सज़ा देना नहीं, बल्कि पीड़ित को न्याय दिलाना भी है। न्याय का यह दूसरा पहलू अक्सर नज़रअंदाज़ किया जाता है। मुआवज़ा (Compensation) इसी न्याय का व्यावहारिक और मानवीय रूप है, जो पीड़ित या उसके आश्रितों को अपराध से हुए शारीरिक, मानसिक और आर्थिक नुकसान की भरपाई के रूप में दिया जाता है। भारत में अपराध पीड़ितों के लिए मुआवज़े का कानूनी आधार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) — जिसे पहले आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC) कहा जाता था — में स्पष्ट रूप से दिया गया है। धारा 395 और 396 इसी उद्देश्य से बनाए गए प्रावधान हैं।

धारा 395 – अदालत द्वारा मुआवज़ा देने का प्रावधान

धारा 395 के तहत, जब किसी अपराधी को सज़ा दी जाती है और उस सज़ा में जुर्माने का प्रावधान शामिल होता है, तो अदालत यह आदेश दे सकती है कि उस जुर्माने की पूरी या कुछ राशि अपराध पीड़ित या उसके वारिसों को मुआवज़े के रूप में दी जाए। यदि सज़ा में जुर्माना शामिल नहीं है, तब भी अदालत अपने विवेक से किसी निश्चित राशि को मुआवज़े के रूप में तय कर सकती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अपराध से प्रभावित व्यक्ति को केवल भावनात्मक न्याय न मिले, बल्कि उसे व्यवहारिक राहत भी मिले — जिससे वह अपने जीवन को दोबारा व्यवस्थित कर सके।

धारा 396 – 'पीड़ित मुआवज़ा योजना' (Victim Compensation Scheme)

धारा 396 में एक व्यापक 'पीड़ित मुआवज़ा योजना' का प्रावधान किया गया है, जिसे प्रत्येक राज्य सरकार द्वारा लागू किया जाना अनिवार्य है। इस योजना के तहत अपराध से प्रभावित व्यक्ति या उसके आश्रितों — जिन्हें किसी अपराध के परिणामस्वरूप चोट, हानि या जीवन-यापन की कठिनाई हुई हो — को पुनर्वास के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। यदि अदालत यह पाती है कि धारा 395 के तहत दिया गया मुआवज़ा पर्याप्त नहीं है, या आरोपी के दोष सिद्ध न हो पाने की स्थिति में भी, वह राज्य की पीड़ित मुआवज़ा योजना के तहत पीड़ित को उचित राशि देने की सिफारिश कर सकती है।

मुआवज़ा देने की आवश्यकता क्यों है?

भारत में अपराध का सबसे भयावह पहलू यह है कि न्याय मिलने तक का सफर बहुत लंबा होता है। कई बार तो अदालत में वर्षों तक मुकदमा चलता रहता है। इस दौरान पीड़ित परिवार को न केवल आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, बल्कि मानसिक और सामाजिक दबाव भी झेलना पड़ता है। ऐसे में मुआवज़ा सिर्फ़ राशि नहीं, बल्कि राज्य की संवेदनशीलता और जवाबदेही का प्रतीक है। यह बताता है कि सरकार अपराध पीड़ितों के साथ खड़ी है और उन्हें पुनर्वास का अधिकार देती है। मुआवज़ा पीड़ित के लिए जीवन में नई शुरुआत का अवसर हो सकता है — चाहे वह किसी रेप पीड़िता का मानसिक और आर्थिक पुनर्वास हो, किसी दुर्घटना में परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु का मामला हो, या किसी बच्चे के खिलाफ हिंसा का अपराध।

न्याय प्रणाली और एनसीआरबी का सीमित दृष्टिकोण

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) देश में अपराध से जुड़ी विस्तृत सांख्यिकीय रिपोर्ट जारी करता है। इन रिपोर्टों में अपराधों की संख्या, उनकी प्रकृति, राज्यों में अपराध दर, पुलिस कार्रवाई, चार्जशीट, और सज़ा दर जैसी जानकारी विस्तार से दी जाती है। लेकिन एक बड़ी कमी यह है कि इन रिपोर्टों में अपराध पीड़ितों को दिए गए मुआवज़े के आंकड़े शामिल नहीं किए जाते।

यह प्रश्न बहुत अहम है कि — "क्या हर अपराध पीड़ित को मुआवज़ा मिला? और अगर नहीं मिला, तो क्यों नहीं?"

एनसीआरबी की रिपोर्ट अगर अपराध के वास्तविक प्रभाव को समझना चाहती है, तो केवल अपराध की संख्या गिनना पर्याप्त नहीं। उसे यह भी बताना चाहिए कि उन अपराधों के बाद पीड़ितों के साथ क्या हुआ — कितनों को न्याय मिला, कितनों को पुनर्वास मिला, और कितनों को मुआवज़ा मिला या नहीं मिला।

मुआवज़ा योजनाओं की स्थिति

भारत के सभी राज्यों में पीड़ित मुआवज़ा योजनाएँ लागू हैं, लेकिन उनकी कार्यक्षमता बेहद असमान है। कई राज्यों में मुआवज़े के लिए दी जाने वाली राशि बहुत कम है, जबकि प्रक्रिया इतनी जटिल है कि पीड़ित वर्षों तक न्यायालयों और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटता रहता है।

उदाहरण के लिए — उत्तर प्रदेश में रेप पीड़ितों के लिए मुआवज़ा राशि ₹5 लाख से ₹10 लाख तक है, जबकि दिल्ली में यह ₹7 लाख तक है, और केरल में यह ₹3 लाख तय है। राज्यों में इस असमानता से यह स्पष्ट है कि कोई राष्ट्रीय मानक (National Standard) मौजूद नहीं है। इसी वजह से समान अपराध के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग मूल्यांकन हो जाते हैं।

नशे की लत: समाज के लिए बड़ी चुनौती

-आर्थिक, मानसिक और सामाजिक कारण बन रहे हैं नशे की जड़

हमारा समाज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहाँ एक नई और गहरी चिंता सिर उठा रही है—नशे की लत। अब तक इसे प्रायः युवाओं की समस्या माना जाता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। हाल के वर्षों में महिलाओं के बीच नशे की लत में तेजी से वृद्धि हुई है। यह प्रवृत्ति केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि समाज के भविष्य का भी गंभीर संकट बन रही है। हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले की एक दर्दनाक घटना ने इस खतरे को उजागर किया, जब नशे की ओवरडोज लेने से एक गर्भवती महिला के गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। यह घटना एक चेतावनी है—कि नशे का जाल अब समाज के उस वर्ग तक पहुँच गया है, जिसे अब तक हम सुरक्षा, स्नेह और अनुशासन का प्रतीक मानते रहे हैं।

महिलाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति: एक सामाजिक संकेत

महिलाएं भारतीय परिवार की धुरी होती हैं। घर की नींव, बच्चों की पहली शिक्षक और संस्कार देने वाली पहली संस्था मां ही होती है। ऐसे में अगर वही नशे की गिरफ्त में आ जाए, तो इसका असर केवल उसके शरीर या जीवन तक सीमित नहीं रहता; यह परिवार, बच्चों और समाज की जड़ों तक पहुँच जाता है। पिछले कुछ वर्षों में कई सर्वेक्षणों और रिपोर्टों में यह सामने आया है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक महिलाएं शराब, ड्रग्स, सिगरेट, अफीम, चरस, स्मैक और सिंथेटिक ड्रग्स की गिरफ्त में आने लगी हैं। खासतौर पर 18 से 35 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाएं इस लत से सबसे अधिक प्रभावित हो रही हैं। पहले जहां यह प्रवृत्ति केवल पुरुषों तक सीमित थी, वहीं अब यह लिंग भेद मिटाते हुए समाज के हर तबके में पैर पसार रही है।

कारण: क्यों बढ़ रही है महिलाओं में नशे की प्रवृत्ति

महिलाओं के नशे की गिरफ्त में आने के पीछे कई गहरे सामाजिक और मानसिक कारण हैं। मानसिक तनाव और अवसाद – आधुनिक जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाएं और घरेलू कलह के बीच महिलाएं अक्सर मानसिक दबाव में रहती हैं। कई बार यह दबाव अवसाद का रूप ले लेता है, और फिर राहत की तलाश में महिलाएं नशे का सहारा ले लेती हैं। आर्थिक तंगी और असुरक्षा – गरीब तबके की महिलाएं अक्सर काम के बोझ और आर्थिक असुरक्षा से जूझती हैं। ऐसे में नशा उन्हें कुछ देर के लिए 'भूल जाने' का भ्रम देता है। फैशन और सोशल इन्फ्लुएंस – शहरी समाज में 'सोशल ड्रिंकिंग' या पार्टी कल्चर को आधुनिकता का प्रतीक मान लिया गया है। कई महिलाएं इसे स्टेटस सिंबल की तरह अपनाती हैं और धीरे-धीरे इसकी आदी हो जाती हैं। टूटी हुई पारिवारिक संरचना – परिवारों में संवाद की कमी, पति-पत्नी के बीच तनाव, एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति ने महिलाओं को भावनात्मक रूप से कमजोर बनाया है। ऐसे में कई महिलाएं अकेलेपन को मिटाने के लिए नशे की शरण में चली जाती हैं। आसानी से उपलब्धता – अब नशे का सामान गांव-कस्बों तक पहुंच गया है। ड्रग्स और शराब की अवैध बिक्री पर नियंत्रण कमजोर हुआ है। इसी वजह से महिलाएं भी आसानी से इस तक पहुँच पा रही हैं।

एक सामाजिक रोग में बदलता नशा

पहले नशा एक व्यक्तिगत कमजोरी या 'आदत' के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब यह समाज की नसों में घुलता जा रहा है। जब घर की महिलाएं, जो एक पीढ़ी को संस्कार देती हैं, खुद इस गिरफ्त में आती हैं तो उसके दुष्प्रभाव दूरगामी होते हैं। नशे की वजह से न सिर्फ महिला का स्वास्थ्य बिगड़ता है, बल्कि परिवार का आर्थिक ढांचा भी हिल जाता है। बच्चों की परवरिश प्रभावित होती है, घरेलू हिंसा बढ़ती है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। नशा उस आत्म-संयम को खत्म कर देता है जो किसी भी सभ्य समाज की बुनियाद होता है।

महिलाओं पर नशे के स्वास्थ्यगत प्रभाव

महिलाओं का शरीर नशे के प्रभाव को पुरुषों की तुलना में अधिक तेजी से झेलता है। गर्भवती महिलाओं पर असर: नशा गर्भस्थ शिशु के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। नशे के सेवन से बच्चे का जन्म वज़न कम होता है, वह मानसिक या शारीरिक रूप से विकलांग पैदा हो सकता है। हार्मोनल असंतुलन: नशा महिलाओं के हार्मोनल सिस्टम को बिगाड़ देता है, जिससे मासिक चक्र की अनियमितता, प्रजनन संबंधी दिक्कतें और मानसिक अस्थिरता पैदा होती है। मानसिक रोगों का खतरा: नशे के बाद महिलाओं में अवसाद, चिंता, घबराहट, और आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

सरकारी उदासीनता और नीतिगत कमी

वर्ष 2024 में राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने भी संसद में यह मुद्दा उठाया था कि देश में महिलाओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है और इसके लिए अलग से नीतियां बननी चाहिए। लेकिन अफसोस, अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वर्तमान में अधिकांश नशा मुक्ति केंद्र पुरुषों पर केंद्रित हैं। महिलाओं के लिए सुविधाएं सीमित हैं, और जो हैं भी, वहाँ सामाजिक कलंक और असुरक्षा की वजह से महिलाएं जाने से कतराती हैं। सरकार को चाहिए कि वह महिलाओं के लिए अलग नशा मुक्ति नीति बनाए, जिसमें परामर्श, पुनर्वास और रोजगार के अवसरों को जोड़ा जाए। नशा मुक्ति केंद्रों में महिला चिकित्सक और काउंसलर नियुक्त किए जाएं ताकि पीड़ित महिलाएं खुलकर अपनी बात कह सकें।

समाज की भूमिका: केवल कानून काफी नहीं

नशे की लत का समाधान केवल कानून बनाकर नहीं किया जा सकता। यह एक सामाजिक समस्या है, जिसका हल समाज की भागीदारी से ही संभव है। परिवार में संवाद बढ़ाना जरूरी है। माता-पिता को अपने बच्चों, खासकर बेटियों के साथ संवाद का रिश्ता बनाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। महिला स्वयंसेवी संगठनों को इस दिशा में काम करना चाहिए कि जो महिलाएं नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें सहारा, सलाह और पुनर्वास का अवसर मिले। मीडिया और सिनेमा को भी जिम्मेदारी दिखानी होगी। नशे को ग्लैमर की तरह पेश करने से बचना चाहिए।

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण

भारतीय संस्कृति में नशे को हमेशा से नकारा गया है। चाहे वह गीता की संयम साधना हो या कुरान की "हराम" की अवधारणा—हर धर्म ने इंसान को अपने होश और समझ पर काबू रखने की सीख दी है। महिलाएं जब इस संयम की धारा से भटकती हैं तो समाज की आत्मा आहत होती है। यह जरूरी है कि धार्मिक संस्थान भी नशा विरोधी अभियानों में अपनी भूमिका निभाएं। मस्जिदों, मंदिरों और गुरुद्वारों में नशा मुक्ति के संदेश नियमित रूप से दिए जाएं।

शिक्षा और रोजगार से समाधान की राह

नशे की जड़ केवल मनोवैज्ञानिक नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक भी है। अगर महिलाओं को शिक्षा, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा, तो वे इस दलदल से खुद निकल सकती हैं।

मदद फाउंडेशन ने सिलाई प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मदद फाउंडेशन द्वारा 25वें बैच की सिलाई प्रशिक्षण एवं मेहंदी के तीसरे और चौथे बैच के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर नववर्ष का उत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की संस्थापक डॉ. मीनाक्षी सेठी ने जानकारी दी कि कुल 50 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि मदद फाउंडेशन का उद्देश्य महिलाओं और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर सकें। पिछले तीन साल में मदद फाउंडेशन द्वारा बारह सौ महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. समरा सुल्ताना उपस्थित रहीं जो कि इमाम रब्बानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की उपाध्यक्ष (वाइस चेयरपर्सन) तथा पीसीसी राजस्थान की सचिव रेनू नायक ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में नववर्ष का स्वागत करते हुए सभी ने सामूहिक रूप से खुशियाँ साझा कीं और मदद फाउंडेशन की सामाजिक पहल की सराहना की।

नवाब खानदान की मिसाल: 11 जोड़ों ने एक साथ कहा 'कुबूल है'

-घाटगेट के मोहल्ला महावतन में सादगी का जश्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में रविवार इंसानियत और सामाजिक सौहार्द की एक मिसाल सामने आई है। घाटगेट स्थित मोहल्ला महावतन में नवाब साहब खानदान ने ऐसी अनोखी पहल की, जिसने समाज को एक नई राह दिखाई। जहां आज के दौर में शादियां बोझ बनती जा रही हैं, वहीं नवाब साहब खानदान ने 11 जोड़ों का सामूहिक निकाह कुबूल करवा कर निकाह को आसान, सादा और सम्मानजनक बना दिया। यह सिर्फ एक विवाह समारोह नहीं था, बल्कि समाज के लिए एक संदेश था — कि निकाह दिखावे से नहीं, नेक नियत से होता है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में शहर के कई प्रबुद्धजन, समाजसेवी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने दूल्हा-दुल्हन को दुआओं से नवाज़ा और इस पहल को समाज सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया। नवाब साहब खानदान की यह पहल न सिर्फ जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत बनी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा भी है। घाट गेट की इस मिट्टी से उठी यह आवाज़ आज पूरे समाज को यह सिखा रही है — निकाह में सादगी ही सबसे बड़ी शान है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की मीटिंग आयोजित की

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जयपुर शहर सचिव नईमुद्दीन आकिल एडवोकेट ने बताया कि रविवार 4 जनवरी 2026 को झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यूनियन के सदस्यों के साथ मीटिंग आयोजित की गई । जिसमें कामरेड प्रेमजी की याद में 2 मिनट का मौन रखा गया । उसके बाद आगे की कार्रवाई की गई, मीटिंग में अमेरिका की विस्तारवादी नीतियों के विरुद्ध सोमवार 5 जनवरी 2026 को शहीद स्मारक पर विरोध प्रदर्शन के लिए आवाहन किया और झोटवाड़ा यूनिट में नवीनीकरण जमा करने, लेवी जमा करने तथा नवीन सदस्यता बनाने, और पार्टी तथा यूनिट संचालन हेतु फंड इकट्ठा करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया।

चौमूं में मस्जिद के बाहर पुलिस पर पथराव करने वालों के घर गरजे बुलडोजर

जयपुर। जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में मस्जिद के बाहर पुलिस पर पथराव की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। चौमूं के इमाम चौक इलाके में स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। दरअसल, कुछ दिन पहले चौमूं में मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद हुआ था, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गया। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया था, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की और नगर परिषद ने अवैध निर्माणों की जांच तेज कर दी। प्रशासन के मुताबिक, इमाम चौक क्षेत्र में लंबे समय से सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के बाद नगर परिषद ने 19 से 20 लोगों को नोटिस जारी किए थे, जिनमें निर्धारित समय सीमा में जवाब देने और स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस की मियाद पूरी होने के बाद गुरुवार को प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "जो गलत है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हम नगर परिषद के साथ मौके पर मौजूद हैं। नगर परिषद ने अतिक्रमण की पहचान की है और उसी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई पूरी तरह कानून के दायरे में की जा रही है और किसी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा। जयपुर पश्चिम के एडीसीपी राजेश गुप्ता ने बताया कि नगर परिषद द्वारा चिन्हित सभी अवैध निर्माणों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "नगर परिषद ने करीब 19-20 नोटिस जारी किए थे। जिन लोगों ने नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया, उनके खिलाफ अब कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पहले जिन लोगों ने माहौल बिगाड़ने और पुलिस पर पथराव करने में भूमिका निभाई थी, उनके अवैध निर्माण भी इस कार्रवाई के दायरे में हैं।" कार्रवाई के दौरान इमाम चौक और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी रखी गई ताकि किसी भी तरह की अफवाह या तनाव की स्थिति से निपटा जा सके। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई किसी एक समुदाय या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ है। अधिकारियों के मुताबिक, नगर परिषद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा और जहां-जहां अवैध निर्माण पाए जाएंगे, वहां कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। कुछ लोगों का कहना है कि लंबे समय से इमाम चौक क्षेत्र में अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे थे, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही थी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अब सार्वजनिक रास्ते और जगहें खाली हो सकेंगी। प्रशासन ने यह भी साफ किया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस पर पथराव और सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

नाहरी का नाका की बंधा बस्ती में 'नरक' जैसा जीवन

-कचरे और बदबू से घुट रहा दम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी जयपुर के शास्त्री नगर इलाके में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। नाहरी का नाका (Nahri Ka Naka) स्थित बंधा बस्ती में लोग गंदगी, बदबू और बीमारियों के बीच जीने को मजबूर हैं, लेकिन प्रशासन की नींद नहीं टूट रही। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यहां नगर निगम और स्थानीय पार्षद की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। बस्ती में पिछले कई सालों से सफाई व्यवस्था ठप पड़ी है। न तो यहां नियमित रूप से सफाई कर्मचारी आते हैं और न ही कचरा उठाने वाली गाड़ियां (Hopper) पहुंचती हैं।

सड़कों पर कचरा, सांस लेना दूभर-

सफाई न होने से जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं। नालियां जाम हैं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। भीषण बदबू के कारण लोगों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी की वजह से बस्ती में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। जनता का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो नगर निगम के अधिकारी सुध ले रहे हैं और न ही क्षेत्रीय पार्षद इस समस्या की ओर ध्यान दे रहे हैं।

अरावली क्षेत्र में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर हुई कार्रवाई
- 50 वाहन जब्त, 50 लाख से अधिक का जुर्माना किया वसूल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में अरावली पर्वतमाला क्षेत्र की पारिस्थितिकी के संरक्षण एवं अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में विगत पाँच दिनों के दौरान खनिज विभाग, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। खनि अभियंता श्याम चौधरी ने बताया कि संयुक्त टीमों द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर अवैध खनन में संलिप्त भारी मशीनरी एवं परिवहन वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन में प्रयुक्त कुल 02 एक्सकेवेटर मशीन, 14 डंपर तथा 34 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित कुल 50 वाहन जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 46 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 50 लाख 36 हजार रुपये की शास्ति राशि वसूल कर राजकोष में जमा कराई गई। इसके अतिरिक्त अवैध खनन एवं निर्गमन में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस थाना शिवदासपुरा में 01, कोटखावदा में 02, चाकसू में 03 तथा कानोता में 01, कुल 07 एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि अरावली क्षेत्र की पारिस्थितिकी को क्षति पहुँचाने वाले किसी भी प्रकार के अवैध खनन अथवा खनिजों के अवैध परिवहन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के संयुक्त एवं सघन अभियान निरंतर जारी रहेंगे, ताकि अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

5 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 10 जनवरी तक अवकाश

- 6 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 8 जनवरी तक अवकाश
- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जारी किये आदेश
-बढ़ती सर्दी एवं शीतलहर को देखते हुए राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में अवकाश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शीतलहर एवं बढ़ती हुई सर्दी के दृष्टिगत जयपुर जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में 5 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 10 जनवरी तक एवं 6 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 8 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अवकाश के आदेश जारी किये हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जिले में शीतलहर एवं बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए यह आदेश जारी किये गए हैं। उक्त दिनांक पर अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए लागू रहेगा तथा समस्त स्टाफ के शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यालय में उपस्थिति देना सुनिश्चित करेंगें। साथ ही परीक्षाएं भी यथावत संचालित होगी। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा जयपुर को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के सहयोग से जयपुर में राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देशित किया गया है। आदेशों की अवहेलना होने की स्थिति में संबंधित राजकीय अथवा गैर राजकीय विद्यालय के विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

किशनपोल विधानसभा कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वी जयंती मनाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत रत्न, युगपुरुष, श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जन्मजयंती के ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा किशनपोल विधानसभा कार्यालय पर एक भव्य अटल सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अटल जी के राष्ट्रवादी विचारों, सुशासन की अवधारणा और उनके प्रेरणादायी व्यक्तित्व को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन, कृतित्व और देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें सच्चे अर्थों में राष्ट्रनिर्माता बताया। वक्ताओं ने कहा कि अटल जी की नीतियाँ आज भी देश के विकास और राजनीति में मार्गदर्शक सिद्ध हो रही हैं। कार्यक्रम में जयपुर शहर जिला उपाध्यक्ष अजय यादव, मंत्री विजय शर्मा (बंटी), भाजपा किशनपोल विधायक प्रत्याशी चन्द्र मनोहर बटवाडा, किशनपोल मंडल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, चांदपोल मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर, जौहरी बाजार मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा, किशनपोल मंडल प्रभारी मोहनलाल अग्रवाल, चांदपोल मंडल प्रभारी चिमन लाल सैनी एवं जौहरी बाजार मंडल प्रभारी कैलाश जटवाडा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन का उद्देश्य अटल जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना और उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करना रहा।

जन भागीदारी के साथ होगा सेना दिवस परेड का दिव्य एवं भव्य आयोजन

- सेना दिवस परेड को लेकर सचिवालय में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक
-'मातृ शक्ति' को समर्पित होगी 09 जनवरी की सेना दिवस परेड

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी, 2026 तक सेना दिवस परेड–2026 के दिव्य, भव्य एवं सफल आयोजन के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित होगी। शनिवार को सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सेना दिवस परेड के सफल आयोजन को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर ए. सावंत की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित हुई। अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर आत्माराम सावंत ने कहा कि यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भारतीय सेना के शौर्य एवं गौरव को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ व्यापक संवाद किया गया है। बैठक के प्रारंभ में नवीन जैन, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सेना दिवस परेड के आयोजन को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब सेना दिवस परेड आमजन के बीच आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा इस आयोजन को जन-जन तक पहुँचाने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिक भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन एवं गौरव को निकट से अनुभव कर सकें। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर द्वारा दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं संगठनों से आग्रह किया कि वे सोमवार तक परेड देखने हेतु आने वाले प्रतिभागियों की संख्या एवं विवरण उपलब्ध कराएं, जिससे व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा सकें। परेड के दौरान आमजन एवं आमंत्रित दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस सेवा, पार्किंग व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट्स, पेयजल एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस, यातायात पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समन्वित कार्य योजना के तहत व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) योगेश दाधीच ने पार्किंग स्थलों, रूट डायवर्जन एवं यातायात सुचारू रखने हेतु की गई तैयारियों से अवगत कराया। बैठक में सेना भर्ती एवं अन्य सैन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में सेना दिवस परेड देखने हेतु प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार 09 जनवरी को आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड मातृशक्ति को समर्पित की गई है। इसके तहत अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उन्हें परेड देखने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि परेड में आने वाले सभी दर्शकों को सेना से संबंधित अनुशासन, सुरक्षा मानकों एवं आचरण संबंधी दिशा-निर्देशों की पूर्व जानकारी प्रदान की जाए। बैठक में जयपुर, अलवर, अजमेर, टोंक, सीकर, कोटपूतली, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, कुचामन-डीडवाना जिलों के अतिरिक्त जिला कलक्टर, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, आईसीडीएस, चिकित्सा, शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी, यातायात पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न निजी संस्थाओं एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जयपुर में रोजगार दिलवाने के बहाने जलमहल के पास बुलाकर रूपये लूट करने वाली गैंग का खुलासा

-मुख्य सरगना उदय मेहरा सहित 6 गिरफ्तार
-लूट की सम्पूर्ण राशि एक लाख रूपये व मोबाईल बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आईपीएस ने बताया कि 01.01.2026 को परिवादी परमेश पुत्र सीताराम द्वारा पुलिस थाना ब्रह्मपुरी पर रिपोर्ट पेश की कि करीब एक महीने पहले उदय मेहरा को मैने जयपुर में काम दिलवाने के लिये फोन किया था तब उसने मेरे को कहा कि में तेरे को काम दिलवा ढुंगा उसके पश्चात 27.12.2025 को मेरी उदय मेहरा से बात हुयी तो उसने मुझे काम दिलवाने के लिए जयपुर बुला लिया था। में जयपुर आकर ठहर गया था। 30.12.2025 को उदय मेहरा मुझे काम दिलवाने के बहाने शाम के समय 8 पी. एम. के लगभग जलमहल की पाल पर लेकर आ गया था। यहाँ पर आने के इनके अन्य साथीगण आ गये तथा मुझे जंगल में लेकर चले गये जहाँ पर मेरे साथ मारपीट की तथा मेरे को डराया व धमकाया और मेरे से रूपये मांगे तब मैने मेरे पिताजी से 1 लाख रूपये मेरे खाते मे डाले और इन्होने युपीआई से मेरे मोबाईल से रूपये निकाल लिये तथा मेरा मोबाईल फोन छीन लिया।

गठित पुलिस टीम का विवरण-

उक्त वारदात का खुलासा करने के लिये सुरेन्द्र सिंह राणावत सहायक पुलिस आयुक्त आमेर जयपुर उत्तर राजेश गौतम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ब्रह्मपुरी के नेतृत्व मे इन्द्राज सिंह सहायक उप निरीक्षक, कानि उमेशचन्द न. 4876, कानि कानाराम न. 9033, कानि प्रदीप न. 9209, जतन सिंह कानि.न. 3040 साईबर एक्सपर्ट टीम से नन्छूराम कानि. 9260 की टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा व तकनीकी सहायता व मुखबीरी तंत्र का उपयोग कर अभियुक्तगण के आने व जाने का रूट चार्ट तैयार किया जाकर अभियुक्तगण का लगातार पीछा कर दस्तयाब किया गया है।

गिरफ्तारशुदा मुल्जिमान-

उदय मेहरा पुत्र रिंकु मेहरा जाति मेहरा उम्र 21 साल, आनन्द नागर पुत्र सुरेश कुमार नागर जाति खटीक उम्र 19 साल, वंश भटनागर पुत्र भगवान सहाय भटनागर जाति कायस्थ उम्र 20 साल निवासी, समीर सक्सैना उर्फ चिनु सक्सैना पुत्र सुरेश सक्सैना जाति कायस्थ उम्र 21 साल, करण सिंह सोलकी पुत्र प्रताप सिंह सोलकी उम्र 25 साल जाति राजपूत, तनिष्क सैन पुत्र सतीश सैन जाति नाई उम्र 20 साल।

मुस्लिम महासभा का स्थापना दिवस व कार्यकर्ता सम्मेलन ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न

हनीस शेख कुतकपुर

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा का स्थापना दिवस एवं भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन अत्यंत गरिमामय, पदाधिकारियों एवं अतिथियों का माला पहनाकर, प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया। विशेष रूप से मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान का संपूर्ण ज़िला कार्यकारिणी एवं प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा भव्य एवं ऐतिहासिक सम्मान किया गया, जिसने पूरे माहौल को गौरवपूर्ण बना दिया। स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत कुरान ख़्वानी के साथ हुई, जिसके पश्चात संगठन का झंडारोहण कर मुस्लिम महासभा की एकता, संघर्ष और संकल्प को दोहराया गया। इसके बाद केक काटकर सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं मुबारकबाद पेश कीं। प्रदेश अध्यक्ष इक़बाल खान भाटी के कुशल निर्देशन एवं नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन के दौरान संगठन को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से नव-नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उनकी जिम्मेदारियाँ अधिकारिक

रूप से सौंपी गईं। साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए भावी कार्यक्रमों, रणनीतियों एवं योजनाओं पर गहन और सार्थक चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से पधारे सभी जिलाध्यक्षों ने मंच से अपने विचार रखे, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका और समाज के हित में किए जाने वाले कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए, जिनका मंच से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेशमा सोलंकी एवं राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान ने अपने ओजस्वी और प्रेरणादायी संबोधन में संगठन की विचारधारा, एकता, संघर्ष और भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं में नया जोश और आत्मविश्वास भर दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम संयोजक इक़बाल भाटी द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, अनुशासन एवं समर्पण की मंचासीन सभी पदाधिकारियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस गरिमामय अवसर पर राष्ट्रीय प्रभारी अमजद खान, राष्ट्रीय महासचिव आबिद खान, प्रदेश मीडिया प्रभारी अज़ीम खान, प्रदेश उपाध्यक्ष अकबर अली, मिर्ज़ा वासिद बेग, हाजी शहज़ाद खान, जाकिर खान, मुखीद खान सहित संगठन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, समाजसेवी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संगठनात्मक एकजुटता, जोश, उत्साह और सामाजिक के सकारात्मक संकल्प के साथ किया गया, जिससे यह सम्मेलन मुस्लिम महासभा के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

साहित्यकार अब्दुल समद राही को कथा शिरोमणि सम्मान से नवाजा

मोहम्मद यासीन

सोजत(रॉयल पत्रिका)। मेहंदी नगरी सोजत के ख्यातनाम शायर कवि बाल साहित्य लेखक अब्दुल समद राही को कथा शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। अजमेर की सुपरिचित साहित्यिक संस्था शब्द सागर व राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में होटल लेक विनोरा में आयोजित राष्ट्रीय साहित्यिक संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार आशा पांडे ओझा व अध्यक्षता कर रहे सीनियर आईएएस अफसर डॉक्टर सूरज सिंह नेगी, विशिष्ट अतिथि राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी, साहित्यकार उमेश कुमार चौरसिया के हाथों राही को "माँ विमला देवी माथुर स्मृति अखिल भारतीय कहानी प्रतियोगिता-3" के विजेता के रूप में संस्था के मानवस्त्र, मोतियों की माला, सम्मान पत्र व नकद राशि प्रदान कर "कथा शिरोमणि सम्मान" से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा दो पुस्तकों- रंजना माथुर द्वारा लिखित "चुनमुन की अक्षर टोली" और पावनी माथुर द्वारा रचित "दि हॉन्टेड मेन्शन" का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम

का आगाज अतिथियों द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया तत्पश्चात संस्था शब्द सागर की संस्थापिका रंजना माथुर ने स्वागत उद्बोधन के साथ ही संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी वहीं अतिथियों का आदर सत्कार किया गया। कार्यक्रम का सरस संचालन वरिष्ठ साहित्यकार गोविन्द भारद्वाज ने किया। आभार प्रदर्शन संस्था के संरक्षक सुबोध कुमार माथुर ने किया। राही को मिले इस सम्मान के लिए वरिष्ठ साहित्यकार वीरेंद्र लखावत पेंशनर समाज अध्यक्ष लालचंद मोबाइल भामाशाह अनोप सिंह लखावत शारीरिक शिक्षा जिला संरक्षक सतू सिंह भाटी, लोक अभियोजक एडवोकेट पंकज त्रिवेदी, फौजी अशोक सेन, कथाकार डॉ. रशीद गौरी, कवि नवनीत राय रुचिर व्यंग्यकार उमाशंकर द्विवेदी, राम स्वरूप भटनागर, विशन सिंह भाटी, गीतकार पेन्टर दलपत राजेन्द्र जोशी मोहनसिंह लखावत असलम कुरैशी राजेन्द्र व्यास अब्दुल गनी ताजक, मोहम्मद यासीन रॉयल मास्टर, हाजी अब्दुल सलीम सिलावट, मिस्त्री मोहम्मद असलम ताजक, पप्सा टांक, जुगल किशोर, दवे शंक,र लाल पारीक, झूमर लाल गर्ग, अनवर पठान सरवण सांखला, चेतन व्यास, फकीर मोहम्मद पठान, राजेश टेलर आदि कई गणमान्य जन ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

संस्था महवा मंडावर द्वारा आयोजित "शिक्षा खेल महोत्सव" का समापन हुआ

-महवा में विधायक महोदय राजेन्द्र प्रधान ने खेल महोत्सव का समापन किया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। एक कदम बदलाव की ओर, संस्था महवा मंडावर द्वारा आयोजित "शिक्षा खेल महोत्सव 2026" का सोमवार को टीकाराम पालीवाल स्टेडियम महवा में विधायक महोदय राजेन्द्र प्रधान द्वारा समापन किया गया, इस अवसर पर भामाशाह

विनित बंसल, प्रयास संस्था के अध्यक्ष राजन मीणा, कोषाध्यक्ष दिनेश चंद सैनी, उपाध्यक्ष राकेश रायपुर, सचिव हेमेंद्र टीकरी, रामेश्वर समलेटी, पुष्पेंद्र सांथा,मानसिंह नौरंगपुरा, हरकेश प्रजापत, नौरंग राम, दिनेश कुट्टीन, सुरेश अलीपुर, हरिभान सैनी, महेश बंदवाड़ा, राकेश झंझटिया, काडूराम जटवाड़ा, करन केसरा, बबलेश सालिमपुर, भीमसिंह मीणा, जितेश मीना एवं संस्था के सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कक्षा नर्सरी से 5वीं तक के बच्चों को अवकाश

-कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के समय में परिवर्तन

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राज्य में अत्यधिक शीतलहर को देखते हुए जिले की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों के संचालन का समय में परिवर्तन कर नर्सरी से कक्षा 5 तक के विद्यालयों के लिये अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि अत्यधिक सर्दी के प्रकोप को देखते हुए श्रीगंगानगर जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में 6 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को अवकाश घोषित किया गया हैं। कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिये विद्यालय समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 3 बजे तक किया गया है। शिक्षकों एवं संचालित अन्य परीक्षाओं का समय यथावत रहेगा। निर्देशों की अवहेलना करने वाले राजकीय, गैर राजकीय विद्यालयों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चाइनीज मांझे पर कार्रवाई करें : सुराणा

-जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों पर की चर्चा, दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर संबोधित करते हुए जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि सभी उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, नगरनिकाय अधिकारी व विकास अधिकारी अपने क्षेत्र में चाइनीज मांझे पर कार्रवाई करें। जिले में चाइनीज मांझे के उपयोग एवं बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। चाइनीज मांझे से प्रतिवर्ष हजारों लोग घायल होते हैं। इसलिए जनसुरक्षा को देखते हुए अधिकारी फील्ड में रहकर चाइनीज

मांझे के उपयोग एवं बिक्री पर कार्रवाई करें। व्यापारियों व उपयोगकर्ताओं से समझाइश करें तथा चाइनीज मांझे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने 14 जनवरी से 30 जनवरी तक चलाए जाने वाले पशु कल्याण पखवाड़े के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को लेकर समुचित निर्देश दिए।

संपर्क पोर्टल प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर परिवादियों को करें संतुष्टः- इस दौरान जिला कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों में विभाग स्तर पर लंबित प्रकरणों, डिस्पोजल टाइम की प्रकरणवार चर्चा करते हुए कहा की डिस्पोजल समय को कम करें तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से परिवादियों को संतुष्ट करें। सीईओ श्वेता कोचर ने आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के बारे में कार्ययोजना की जानकारी दी। इस दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी उपखंडों से उपखंड स्तरीय अधिकारी वीसी के जरिए जुड़े रहे।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन 31 तक

बारां । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से विद्यार्थियों द्वारा ओटीआर किया जाना अनिवार्य है। निदेशालय स्तर से उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। विभागीय छात्रवृत्ति योजना में आवेदन करने से पूर्व विद्यार्थी नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल की वेबसाइट अथवा एनएसपी ओटीआर ऐप के माध्यम से ओटीआर (वन टाईम रजिस्ट्रेशन) कर सकते है।

मुख्यमंत्री से सुरेंद्रपाल सिंह टीटी की भेंट, क्षेत्रीय विकास को लेकर हुई अहम चर्चा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र से जुड़े प्रमुख जनहित मुद्दों पर सार्थक, सकारात्मक एवं परिणामोन्मुखी संवाद हुआ। भेंट के अवसर पर पूर्व बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी बजट को लेकर क्षेत्रहित में महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। सुरेंद्रपाल

सिंह टीटी ने क्षेत्र के समग्र विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं जनआकांक्षाओं की प्रभावी पूर्ति पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का चूरू जिला अग्रवाल समाज ने किया अभिनंदन

-चौथी बार प्रदेश कोषाध्यक्ष बने चूरू के पंकज गुप्ता

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के चौथी बार प्रदेश कोषाध्यक्ष बनने पर पंकज गुप्ता का रविवार को ग्रैंड शेखावाटी होटल में चूरू जिला अग्रवाल समाज की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व सभापति गौरीशंकर मंडावेवाला, परमानंद मंगलुनिया सुजानगढ़, राजगढ़ के पूर्व पालिकाध्यक्ष जगदीश बैरासरिया, रतनगढ़ से अग्रवाल समाज के जिला अध्यक्ष कैलाश चौधरी, जगदीश जयसिंहसरिया सरदारशहर, सुशील सरावगी तारानगर, भाजपा महिला मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष पूनम गुप्ता, निर्मला देवी मंडावेवाला, ललिता रामगढ़िया, राधेश्याम पांडुसरिया, पवन बगड़िया अतिथि थे। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम को अग्र कुंभ का नाम देते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम से अग्रवाल समाज में नई चेतना का संचार हुआ है।अतिथियों का महेंद्र राजगढ़िया, श्यामसुंदर मित्तल, संजय मुरारका, राजेश बैरासरिया, संजय चाचाण, विनोद उड़सरिया,विमलेश भालेरीवाला, सुलेखा, मीनाक्षी ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। वहीं डॉ प्रेम प्रकाश गोयल, सुरेंद्र खेमका, बजरंग बाजोरिया, संजय सिंघानिया, राज मोदी, डॉ. सारिका अग्रवाल, कालीचरण खेमका, विनीत बजाज,वेणुगोपाल मंडावेवाला, श्रीकांत बगड़िया, सुशील बजाज, शेरू गोयनका, महेश गोयनका, मुरलीधर ऊँटवालिया,

प्रदीप सरावगी, अंकित बाजोरिया, रघुनाथ खेमका, कल्पेश सराफ, अरविंद बगड़िया, काशीराम क्याल, राजेश भाविसिंहका, चंद्रशेखर झुंझुनूंवाला ने भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का माला, साफा, शॉल, श्रीफल, मोमेंटो, अभिनंदन पत्र, अग्रसेन जी की प्रतिमा के साथ सम्मान किया। पवन बगड़िया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। अपने अभिनंदन से अभिभूत पंकज गुप्ता ने कहा कि आज समाज को एक मंच पर देखकर मन प्रसन्न हो रहा है। हम एक दूसरे को जोड़कर आगे बढ़ते जाएं तभी इस कार्यक्रम की सार्थकता है, उन्होंने बताया कि इस सम्मान के वह आभारी है और हमेशा समाज के लिए तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में ज़िले भर से आए अग्रवाल समाज के महिला पुरुष उपस्थित रहे। संचालन मुकुल भाटी ने किया।

इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा कंबल वितरित किए गए

फतेहपुर (रॉयल पत्रिका)। इंसानियत एकता सेवा समिति, चूरू द्वारा चल रहे पिछले 19 दिनों से रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान के तहत फतेहपुर में चूरू स्टेण्ड, रेलवेस्टेशन, मोहल्ला तेलियान सहित कई जगहों पर असहाय व ज़रूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए। कम्बल मिलने पर जरूरतमंदों को खुशी हुई और उन्हें सर्दी से राहत मिली। इस अवसर पर अभियान संयोजक व समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि अपने लिए तो हर इंसान जीता है , लेकिन जो इंसान दूसरों के लिए जीता हो उसको ही असल ज़िन्दगी कहते हैं। उन्होंने कहा कि बेसहारा लोगों की मदद करना और उनके सुख-दुःख में साथ खड़े रहना, इसी का नाम इंसानियत है। सामाजिक कार्यकर्ता मोनिस खान जलालसर ने बताया कि बेसहारा लोगों की मदद करना हम सबकी जिम्मेदारी है।इस दौरान समिति व्यवस्थापक जाफर खान, सुलेमान मनीहार, अबरार खान, फैसल खान, पंकज सैनी, इकबाल पठान, सोयल खान आदि मौजूद रहे।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षा में नई तकनीकी पहल: वर्चुअल डिसेक्शन टेबल का उद्घाटन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (GMCH), उदयपुर के एनाटॉमी विभाग में दिनांक 02 जनवरी 2026 को अत्याधुनिक वर्चुअल डिसेक्शन टेबल (Virtual Dissection Table – VDT) का शुभारंभ किया गया। इस अत्याधुनिक तकनीक का उद्घाटन गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने किया। वर्चुअल डिसेक्शन टेबल एक अत्याधुनिक 3D इंटरएक्टिव तकनीक है, जिसके माध्यम से मेडिकल छात्र मानव शरीर रचना को गहराई से समझ सकेंगे। यह नवीन तकनीक स्नातक (UG), स्नातकोत्तर (PG) छात्रों एवं सर्जिकल टीम के लिए शिक्षण अनुभव को और अधिक प्रभावी बनाएगी तथा मानव शरीर की संरचना को बेहतर तरीके से समझने में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर अंकित अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा शिक्षा में तकनीक का समावेश अत्यंत आवश्यक है। वर्चुअल डिसेक्शन टेबल एनाटॉमी विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन अनुभव प्राप्त होगा और मानव शरीर

रचना की गहन एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी। इस अवसर पर माननीय कुलपति डॉ. राकेश कुमार व्यास, वाइस प्रेसिडेंट – सीए संदीप कुणावत, डीन – डॉ. संगीता गुप्ता सहित गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के अनेक वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य, स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस नई सुविधा के शुभारंभ से गीतांजली मेडिकल कॉलेज चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक और सशक्त कदम आगे बढ़ा रहा है।

मदरसा दारूल उलूम सैयदना तौकीर हसन चिश्ती में महफिल-ए-मिलाद, जलसा का आयोजन

-इसी मदरसे से हाफिज हुए मौलाना जाकिर ने अपने बेटे सुलेमान को हाफिज बनाया, बाप और बेटे ने यहीं से तालीम हासिल की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सैनिक बस्ती स्थित मदरसा दारुल उलूम सैयदना तौकीर हसन चिश्ती में कुरआन शरीफ का मुकम्मल होना छात्रों द्वारा कठ्ण्य याद करना हाफ़िज़-ए-कुरआन होने पर एक अज़ीम ओ शान महफ़िल-ए-मिलाद का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मदरसा के सदर हाजी उस्मान गनी दिलावर खानी ने की। कार्यक्रम में खास मेहमान हजरत सैयद मुमताज शाह एवं सैयद मकबूल साहब मौजूद रहे। मदरसा के छात्रों ने नाते पाक प्रस्तुत की। हिफ्ज करने वाले तीन छात्रों का फूल माला व साफा बांधकर सम्मान किया गया। जिसमें हाफिज सुलेमान, हाफिज अरमान, हाफिज ओवैस का खास मेहमानों ने स्वागत किया। मदरसा के प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रजा मिस्बाही ने सभी आए हुए मेहमानों का फूल मालाओं से स्वागत किया। आपने कहा मिलाद-ए- महफिल में खास तिलावत-ए-कुरान की आयतो से आगाज़ किया जाता है और अल्लाह की तारीफ और

हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में कलाम यानी हम्द और नात पढ़े जाते हैं। दुआ-ए-खत्म-ए-कुरान यह सबसे खास वक्त होता है जब कुरान पूरा होने की खुशी में अल्लाह से मगफिरत और बरकत की दुआ मांगी जाती है। नसीहत-ओलमा या बड़े बुजुर्ग कुरान की तालीमात पर अमल करने की ताकिद करते हैं। तबरूक-अंत में मेहमानों के लिए प्रसाद, मिठाई, शिरनी या खाने का इंतजाम होता है। अल्लाह हमारे इस कोशिश को कबूल फरमाए और कुरान की रोशनी आपके घर और दिल में हमेशा कायम रखें। रोनके स्टेज पर मौलाना फैजान, मौलाना सहाबुद्दीन, मौलाना शब्बीर, मौलाना याकूब, कारी कुर्बान अली, हाफ़िज़ अब्बास, मौलाना अहमद अली, मौलाना शाकिर, हसनैन एवं मदरसा कमेटी के सदर हाजी उस्मान गनी खां, मोहम्मद सलीम खां सर्वा, हाजी जमालुद्दीन, साबिर खान आदि मौजूद रहे। अल्लामा सैयद साहब ने दुआ की और सलातो-सलाम के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रज्जा ने आए हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

गीतांजली हॉस्पिटल में लेज़र सर्जरी कार्यशाला का सफल आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका) । गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के जनरल सर्जरी विभाग द्वारा एक दिवसीय लेज़र सर्जरी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह शैक्षणिक कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव अग्रवाल एवं प्रोफेसर डॉ. अजय चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. मोहित कुमार बड़गुर्जर के नेतृत्व में संपूर्ण शल्य चिकित्सा विभाग के सहयोग से इस कार्यक्रम को सफल बनाया गया। कार्यशाला के दौरान आधुनिक लेज़र तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए कुल 9 मरीजों में लेज़र सर्जरी का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया, जिसमें 3 वैरिकोज वेन्स (एक पुनरावर्ती केस), 3 फिस्टुला-इन-एनो (दो ट्रांसस्फिंक्टेरिक) तथा 3 बवासीर (हेमोरॉयड्स) के केस शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ. विवेक शर्मा (अजमेर) ने विशेष आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में

भाग लिया। उन्होंने व्यापक अनुभव एवं तकनीकी ज्ञान को साझा किया। उन्होंने बताया कि लेज़र सर्जरी से मरीजों को कम दर्द, कम रक्तस्राव, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा जल्दी अस्पताल से छुट्टी जैसे अनेक लाभ मिलते हैं। उनकी विनम्रता, सरल स्वभाव तथा फैकल्टी एवं रेजिडेंट्स के प्रश्नों को धैर्यपूर्वक स्पष्ट करने की शैली की सभी ने सराहना की। इस कार्यशाला में लगभग 40 सर्जनों, जिनमें फैकल्टी सदस्य एवं रेजिडेंट डॉक्टर शामिल थे, ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागी सर्जनों ने लेज़र तकनीक से संबंधित नवीन तकनीकी प्रगति को न केवल सैद्धांतिक बल्कि व्यावहारिक रूप से भी समझा, जिससे भविष्य में मरीजों को बेहतर एवं आधुनिक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। कार्यक्रम की सफलता में एनेस्थीसिया विभाग का विशेष योगदान रहा, जिसके लिए डॉ. अलका छाबड़ा (विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया), डॉ. पूजा पटेल एवं डॉ. पिंकी सहित संपूर्ण एनेस्थीसिया टीम का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. रविंदर कुंडू (विभागाध्यक्ष), डॉ. यामिनी एवं डॉ. शिवम के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। इसके अतिरिक्त हेमंत गर्ग एवं संपूर्ण ऑपरेशन थिएटर स्टाफ के महत्वपूर्ण सहयोग से यह कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस शैक्षणिक आयोजन को फैकल्टी सदस्यों एवं रेजिडेंट डॉक्टरों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

अंता में मुस्लिम एजुकेशन अवार्ड प्रोग्राम 2025 संपन्न

अंता (रॉयल पत्रिका)। ईदगाह कमेटी अंता की ओर से निजी मैरिज हॉल अंता में मुस्लिम समाज की प्रतिभाओं के सम्मान में एजुकेशन अवार्ड प्रोग्राम का आयोजन किया गया। ईदगाह कमेटी के प्रवक्ता रईस अहमद और सदाकत अली ने बताया कि इस प्रोग्राम में वर्ष 2025 में 10वीं,12वीं एवं डिग्री कोर्स में 75% से से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान स्टूडेंट्स, हाफ़िज़, आलिम, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों, विभिन्न राजकीय सेवाओं में नियुक्त होने वाले कार्मिकों तथा विविध क्षेत्रों में अपनी सराहनीय सेवाएं देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे मंजूर अली दीवान तहसीलदार अंता ने अपने संबोधन में प्रशासनिक सेवाओं में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. गुलाम नबी डिप्टी रजिस्ट्रार राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा ने स्टूडेंट से लक्ष्य निर्धारित कर उसे हसिल होने तक कठिन परिश्रम करने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि मोहम्मद सादिक अंसारी नायब तहसीलदार, डॉ. नय्यर अली और अताउर्रहमान इंजिनियर सुपरवाइजर ने अपने संबोधन में मुस्लिम स्टूडेंट्स के लिए राजकीय सेवाओं में भागीदारी बढ़ाने के लिए करियर काउंसलिंग को महत्वपूर्ण बताया साथ ही सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं से और अधिक मेहनत करने पर बल दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फातिमा सुल्ताना और उपजिला चिकित्सालय अंता की डॉ. इंशा राफिया ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज के लिए आवश्यक हैं इनसे समाज की प्रतिभाओं को सम्मान मिलता है जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अंजुमन इत्तेहाद ए बहामी जिला बारां के सदर आबिद हुसैन अंसारी ने इस अवसर

पर सभी सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को मुबारक बाद दी। इस अवसर पर ईदगाह कमेटी के सदर हाजी रसूल मोहम्मद अंसारी ने प्रोग्राम कनवीनर नासिर हुसैन कुरैशी, सह कनवीनर नूरूल हसन और कमेटी के सदस्यों के सहयोग से सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अंत में सभी को धन्यवाद दिया। प्रोग्राम का बेहतरीन संचालन करने के लिए प्रिंसीपल जावेद रईस को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंता तहसील के कई प्रबुद्धजन एवं गणमान्य व्यक्ति एवं सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

डॉ. मुश्ताक अहमद के सेवानिवृत्त होने पर कई सामाजिक संगठनों व चिकित्सालय स्टाफ ने किया स्वागत

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर के जाने-माने और अनुभवी चिकित्सक, डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी अपनी लंबी और बेदाग सेवाओं के बाद चिकित्सा जगत से आधिकारिक रूप से सेवानिवृत्त हो गए। शहर के धर्मादा चौराहा स्थित सिटी डिस्पेंसरी में ड्यूटी के अंतिम दिन उन्हें बधाई देने ओर स्वागत करने वालों का दिन भर तांता लगा रहा। उनके चाहने वाले ओर समाजसेवी संगठनों ने उनका माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर साफा बंधी करके उनका स्वागत कर लंबी ओर बेदाग सेवाओं के लिए बधाई दी। उनकी विदाई के अगले दिन डॉ. मुश्ताक अहमद द्वारा शहर के निजी मैरिज गार्डन में एक समारोह का आयोजन किया। जिसमें शहर के प्रमुख डॉक्टर्स, व्यापारिक, राजनीतिक, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग और उनके पारिवारिक लोग मौजूद रहे। सभी ने उनके सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व की सराहना की। सेवा और समर्पण की मिसाल डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी ने पिछले 33 वर्षों से चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान हजारों मरीजों का न केवल इलाज किया, बल्कि उन्हें

नया जीवन भी दिया। मरीजों के प्रति उनका व्यवहार हमेशा से ही सौम्य और अपनत्व भरा रहा है, जिसके चलते वे शहर के सबसे चहेते डॉक्टर्स में से एक माने जाते हैं। सरकार द्वारा आयोजित होने वाले हाजियों के टीकाकरण शिविर में भी उन्होंने हमेशा अपनी बेहतरीन खिदमत को अंजाम दिया है। कार्यक्रम में डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी के परिवार ने आए हुए सभी मेहमानों की मेज़बानी की। उनकी धर्मपत्नी सलीका, बेटे डॉ फरहान अंसारी, बेटी आयशा, दामाद आसिम ओर मोहम्मद आरिफ(मेडिकल) ने मुख्य द्वार पर खड़े होकर सभी दोस्त, डॉक्टर्स और स्टाफ का पलक-पांवड़े बिछाकर स्वागत किया। परिवार के इस अपनापन ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

15वीं स्टेट पैरा एथलेटिक्स में मुस्कान खान ने बढ़ाया प्रदेश का मान

-100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए

अंता (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले के अंता विधानसभा के रायपुरिया निवासी मुस्कान पुत्री साबिर हुसैन कसुरी ने स्टेट पैरा एथलेटिक्स में दो स्वर्ण पदक जीतकर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है। 15वीं स्टेट पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 में रायपुरिया अंता बारां निवासी मुस्कान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इस शानदार उपलब्धि के साथ मुस्कान ने नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए

भी क्वालीफाई कर लिया है। मुस्कान वर्तमान में जोधपुर में कोच अरविंद वैष्णव के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण ले रही हैं। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता से माता-पिता, परिवार, गांव रायपुरिया अंता तथा पूरे बारां जिले में खुशी की लहर है। साथ ही मुस्कान की यह उपलब्धि प्रदेश राजस्थान के लिए भी गर्व का विषय बन गई है। मुस्कान की मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास आज प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणा बन गया है। सभी क्षेत्रवासियों एवं खेलप्रेमियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नेशनल प्रतियोगिता के लिए मुबारकबाद 15वीं स्टेट पैरा एथलेटिक्स में मुस्कान खान ने बढ दी हैं।

6 जनवरी को मनाया जाएगा जश्ने अशरफ

मोहम्मद यासीन

कपासन (रॉयल पत्रिका)। हज़रत मखदूम अशरफ जहाँगीर सिमनानी र.अ. की याद मे मंगलवार, 06 जनवरी को जश्ने अशरफ मनाया जाएगा। बज्मे अशरफी के सैक्रेट्री एवं पूर्व पार्षद अशरफ हुसैन अंसारी के अनुसार हर साल की तरह इस साल भी किछोछा शरीफ जिला अम्बेडकर नगर उत्तर प्रदेश मे स्थित दरगाह हजरत मखदूम अशरफ जहाँगीर सिमनानी र.अ. की याद मे मंगलवार को मोमीन मोहल्ला, नहर के पास बाद नमाजे ईशा जश्ने अशरफ बडी ही शानो शोकत के साथ मनाया जाएगा। जश्ने अशरफ में पीरे तरीकत औलादे गौसे आजम हज़रत अल्लामा अलहाज डॉ. सैयद जलालुद्दीन अशरफ उर्फ कादरी मियां (चेयरमेन मखदूम अशरफ मिशन पण्डवा शरीफ जिला मालदा पश्चिम बंगाल) की तकरीर होगी। शायरे इस्लाम उस्मान गनी के साथ ही मुकामी व बैरोनी ओलमाऐ किराम व शोएरा हजरात भी शिरकत फरमाएगें। बज्मे अशरफी के सदर अब्रदुरज्जाक मंसूरी के अनुसार हज़रत कादरी मियाँ बुधवार प्रातः काल को डबोक हवाई अड्डे से लखनऊ तशरीफ ले जायेगें।

पिड़ावा निवासी डॉ. हाफिज इलियास अहमद का मुंबई में सम्मान

-बेस्ट आयुर्वेदा डॉक्टर अवार्ड से हुए सम्मानित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मुंबई 28 दिसंबर को आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर द्वारा डॉ. हाफ़िज़ इलियास अहमद को बेस्ट आयुर्वेदा डॉक्टर अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड डॉ. हाफिज इलियास अहमद को उनके बेहतरीन यूनानी चिकित्सा पद्धति में मरीजों की असाध्य जटिल बीमारियों के आसान सफल, सस्ता इलाज के लिए दिया गया। डॉ. इल्यास द्वारा देश भर में हज़ारों रोगियों की सफल चिकित्सा कर चुके हैं। डॉ.

इल्यास 35 वर्षों से यूनानी पद्धति द्वारा गरीब व असहाय लोगों का निःशुल्क इलाज करते हैं। डॉ. इलयास को विशेष रूप ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांफ्रेंस आवार्ड, हमदर्द आवार्ड सहित कई अवॉर्ड से नवाज़ा जा चुका है। आयुश कालेज एन्ड हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर,सिक्स सेंस रिसर्च एसोसिएशन एन्ड होलिस्टिक मेडिसिन द्वारा 8 वां सम्मान समारोह में डॉ. हाफिज़ इल्यास अहमद को बेस्ट आयुर्वेदा डॉक्टर आवार्ड दिया गया। सम्मान समारोह में देश भर से सैकड़ों डॉक्टर शरीक हुए।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत विकास कार्यों का निरीक्षण, जिला कलक्टर भी रहे साथ

-आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत विकास कार्यों का निरीक्षण अतिरिक्त सचिव ने पॉलीहाउस, नरेगा व स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर शनिवार को भी अपने प्रवास पर जिले के विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति तथा आमजन को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभ के संबंध में जानकारी ली। अतिरिक्त सचिव ठाकुर ने सबसे पहले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मण्डोला छापर पहुंचकर विद्यालय परिसर में स्थापित आर.ओ. सिस्टम एवं सोलर पैनल का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल शुद्धिकरण व्यवस्था एवं सौर ऊर्जा के उपयोग के संबंध में विद्यालय प्रशासन से जानकारी प्राप्त की तथा बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। इसके बाद वे बहादुरगंज पहुंचे, जहां पॉलीहाउस, सोलर सिस्टम, फार्म पोंड एवं ड्रिप सिंचाई व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि कृषि में आधुनिक तकनीक अपनाने से किसानों की आय में वृद्धि संभव है तथा पानी व ऊर्जा की बचत भी होती है। उन्होंने इन योजनाओं के व्यापक प्रसार पर जोर दिया। चरड़ाना गांव में अतिरिक्त सचिव ने महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन

एवं डांग विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रमिकों से चर्चा कर कार्यों की प्रगति व समयबद्धता की जानकारी ली तथा स्वच्छता एवं रोजगार सृजन की दिशाओं में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। इसके पश्चात ग्राम छेलाबेल स्थित स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं तथा आमजन को मिलने वाली सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ व प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, एसडीएम विश्वजीत सिंह, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गेंदालाल रैगर, पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. सतीश लहरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंजुमन इस्लामियां चुनाव कमेटी सदस्यों ने मदरसे पहुंच कर जानी चुनावी प्रकिया

बारां (रॉयल पत्रिका) । मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां के सदर माजिद सलीम ने 31 दिसंबर को हुई कमेटी की आखिरी बैठक में कार्यकारणी भंग करके आगामी 16 जनवरी 2026 को चुनाव करवाने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही उन्होंने निष्पक्ष और शांतिपूर्वक मदरसे के चुनाव करवाने के लिए शहर के बुद्धिजीवी लोगों की पांच सदस्य कमेटी बनाकर उनके जरिए चुनाव प्रक्रिया को पूरा करवाने की घोषणा की, जिनमें मास्टर शौकत अंसारी, मास्टर अनवर अली, एडवोकेट फिरोज खान, एडवोकेट रईस हाशमी और मास्टर मोहम्मद सलाम दिलावर को पांच सदस्य कमेटी में रखा गया। जिनके द्वारा पूरी चुनावी प्रकिया को अंजाम दिया जाएगा। चुनाव कमेटी के एडवोकेट फिरोज खान, मास्टर अनवर अली ओर एडवोकेट रईस हाशमी ने अंजुमन मदरसे पहुंच कर कार्यवाहक सदर माजिद सलीम और अंजुमन के मुहासिब नासिर खान बंटी से चुनाव संबंधी जानकारी हासिल की। इसके बाद

उन्होंने बताया कि 05 जनवरी 2026 से सभी पंचायतों को रुक्के भेजना शुरू कर दिए जाएंगे, जिनके अंजुमन में जमा करने की आखिरी तारीख 11 जनवरी 2026 सुबह 12 बजे तक रखी गई है। तय समय पर पंचायत के सदर या पटेल द्वारा रुक्का जमा करवाना जरूरी है। इसके अलावा सभी पंचायतों को विवाद की स्थिति में सारी समस्याओं के समाधान पंचायत स्तर पर ही करने होंगे। साथ ही सभी पंचायतें और सदर इस तालीम के इदारें में तालीम याफ़्ता ओर अंजुमन की फलाह के लिए काम करने वाले शख्स को ही मेंबर भेजे। ताकि तालीम के इस इदारे को ओर ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद मिल सके।

सीरते मुस्तफा मददगार सोसाइटी द्वारा नि: शुल्क शादी सम्मेलन 29 मार्च को झालावाड़ में होगा आयोजित

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। सीरते मुस्तफा मददगार सोसाइटी हबीब नगर झालावाड़ की जानिब से 29 मार्च, 2026 को ईदगाह परिसर झालावाड़ में नि: शुल्क इजतिमाई शादी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सोसाइटी के सेक्रेटरी राजू भाई हबीब नगर वालों ने जानकारी देते हुए बताया कि रजिस्टर सोसाइटी है जो कौम के गरीब असहाय लोगों की खिदमत का काम करती है,यह काम सोसाइटी,के सभी मेम्बर हजरात के सहयोग से करती है। इसमें मुख्य रूप से गरीब जरूरत मंदों की आर्थिक सहायता करना, कौम के गरीब बिमारों की मदद करना,कौम में किसी के इंतकाल हो जाने पर कफ़न दफन का इंतजाम करना है अब सोसाइटी ने अपनी मदद का दायरा बढाने का फैसला किया है और कौम के गरीब लोगों के बच्चों का निकाह करवाने का फैसला किया है इसके लिए रजिस्टर्ड ब्रांच सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर की जानिब से पहला निशुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन 29 मार्च 2026 को झालावाड़ में होगा आयोजित सम्मेलन को कामयाब बनाने के लिए 2 जनवरी शूक्रवार को बाद नमाज इंशा के करामत अली

बाबा साहब की दरगाह झालरापाटन रोड पर सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन की सदारत में 29 मार्च 2026 को होने वाले निशुल्क सम्मेलन की इंतजामिया कमेटी बनाने ओर सलाह मशवरा वास्ते एक मीटिंग रखी गई जिसमें हाजी निजाम चौधरी, ईदगाह सदर अब्बू भाई, कब्रिस्तान कमेटी सदर सलाम भाई, कालू भाई, मुकीम भाई टाटा, हाजी अली हुसैन, हाजी सय्यद मुमताज अली, हाजी सलीम मास्टर साहब, डॉक्टर जी एम सैयद साहब, सैयद भूरु भाई, सय्यद मुस्ताक अली, आरीफ हूसेन गोरी, इकबाल भाई भाटी, डॉक्टर रोशन खान, इस्माइल अंसारी, महफूज भाई, भय्यू भाई और सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर के तमाम मेम्बर हजरात मौजूद रहे।

झालावाड़ पुलिस की कार्यवाही, स्पा सेन्टर की आड़ में अवैध गतिविधियां कर चौथ वसूली करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

-एक महिला सहित दो आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि अपराध नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों की अवैध गतिविधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सख्त कार्यवाही करने हेतु सभी थानाधिकारियो को विशेष निर्देश दिये हुए है। विगत कुछ दिनो से शहर झालावाड में खण्डिया कालोनी स्थित "द ओशिश स्पॉ मसाज सेन्टर पर वेश्यावृत्ति करवाने का झांसा देकर मसाज करवाने आने वाले लोगो से अवैध वसूली की शिकायते प्राप्त हो रही थी। जिसके तहत थानाधिकारी कोतवाली द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुये "द ओशिश स्पॉ मसाज सेन्टर" पर छापा मारकर अवैध गतिविधियों में लिप्त महिला मेघा मुखर्जी व उसके साथी लोकेश कुमार बैरवा को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। पुलिस कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्पों मसाज सेन्टरो पर अवैध,गतिविधियो की शिकायते प्राप्त होने पर उक्त गतिविधियों की रोकथाम व प्रभावी कार्यवाही हेतु अति० पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा अति० पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व हर्षराज सिंह वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड

के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी कोतवाली मुकेश कुमार मीणा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम गटित कर स्पॉ मसाज सेन्टर पर वेश्यावृत्ति करवाने का झांसा देकर मसाज करवाने वाले आने लोगो से अवैध वसूली की शिकायत की तस्दीक हेतु "द ओशिश स्पॉ मसाज सेन्टर' पर बोगस ग्राहक तैयार कर स्पॉ मसाज सेन्टर पर भेजा गया तो शिकायत की तस्दीक होने पर त्वरित प्लॉनिग कर स्पॉ मसाज सेन्टर पर छापा मारकर अवैध गतिविधियो में लिप्त महिला मेघा मुखर्जी व उसके साथी लोकेश कुमार बैरवा को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। वारदात में संलिप्त अन्य अभियुक्त के बारे में अनुसधांन किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त-

मेघा पुत्री सुबोध मुखर्जी जाति पासवान उम्र 30 साल निवासी मकान नम्बर 118/105 अशोक विहार गांव थाना अशोक विहार उतर पश्चिम दिल्ली, लोकेश कुमार बैरवा पुत्र रामलाल जाति बैरवा उम्र 36 साल निवासी अगावली थाना बसवा जिला दोसा,

कोतवाली पुलिस टीमः-

मुकेश कुमार मीणा पु.नि. थानाधिकारी, भगवान सिंह हैड कानि. सुशीला हैड कानि. शीतल म. कानि. जगदीश कानि,जरनेल कानि० मौजूद रहे।

अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने किया तहसील बारां के एक दर्जन से अधिक गांवों का दौरा

-मतदाताओं का जताया आभार, क्षैत्र के सामाजिक, धार्मिक एवं विकास के कार्यो को करवाने में नही रखूंगा कोई कमी- प्रमोद भाया

बारां (रॉयल पत्रिका)। अन्ता विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया अन्ता विधानसभा में भारी मतों से विजयी होने पर मतदाताओं का आभार जताने के लिए रविवार को तहसील बारां क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवो में पहुंचे। कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष बारां सिद्वार्थ नागर एवं मण्डल अध्यक्ष पवन गौत्तम ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्ता से नव निर्वाचित विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया आज दूसरे दिन अंता विधानसभा क्षेत्र के तहसील बारां के गांव पीलिया, तिसाया, खेडलीकेषो, खेडलीकेषो की टापरिया, मानपुरा, फून्दा जी की टापरिया, कोयला, मियाडा, खेडी जागीर, बमूलिया जागीर एवं चैनपुरिया गांवों में पहुंचे जहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा भाया का बडी गर्मजोषी से माल्यार्पण कर, आतिषबाजी कर स्थान-स्थान पर भावभीना स्वागत सम्मान किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने आमजन से

जुडे मुद्दों को लेकर प्रमोद जैन भाया को परिवाद भी सौंपे जिन पर प्रमोद जैन भाया ने उचित कार्यवाही का आष्वासन प्रदान किया। अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने गांव में स्थित कई मंदिरों पर पहुंचकर देव दर्षन किए तथा कहा कि अन्ता विधानसभा क्षेत्र के सभी निवासी उनका परिवार है एवं हमेषा इनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहूंगा। भाया ने कहा कि मेरे द्वारा पहले भी इस क्षैत्र के विकास में कोई कमी नही रखी थी तथा जब तक जान में जान है तब तक क्षैत्र के धार्मिक, सामाजिक एवं विकास के कार्य करवाने में कोई कमी नही रखूंगा।

ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पठान साहब गिरने से चोटिल

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन राजस्थान के अध्यक्ष मोहम्मद खान पठान को मोटरसाइकिल एक्सीडेंट में पैर पर एवं कंधे की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। जोधपुर एम्स हॉस्पिटल में ऑपरेशन सफ़ल हो गया है यह जानकारी ह्यूमन राइट्स

जस्टिस एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद ने दी हैं। अध्यक्ष खान पठान ने बताया कि एम्स में सभी डॉक्टर का शुक्रिया अदा करता है। जिन्होंने बहुत ही अच्छे ढंग से मेरा सफल ऑपरेशन किया एवं वहां के सभी नर्सिंग स्टाफ का भी मैं शुक्रिया अदा करता हूं। मोहम्मद खान पठान को बहुत हीजल्द एम्स हॉस्पिटल से छुट्टी हो जाएगी।

मुंबई में आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर द्वारा डॉक्टर तोहिद को सम्मानित किया

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। मुंबई में आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, सिक्स सेंस रिसर्च एसोसिएशन और और होली सटीक मेडिसिन द्वारा आठवां सम्मान समारोह मैं डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद को बेस्ट आयुर्वैदिक डॉक्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल रिचार्ज सेंटर के सम्मान समझ में देशभर की सैकड़ो डॉक्टर एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉक्टर तोहिद 45 सालों से आयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सा कर रहे हैं अपने जटिल रोगियों का इलाज कर रहे हैं जैसे गुर्दे की पथरी चर्म रोग खून खराबी साइटिका स्लिप डिस्क हिजामा कप थेरेपी इलेक्ट्रोथेरेपी आंखों की बीमारी आदि का आयुर्वेदिक दवाई द्वारा कर रहे हैं।

डॉक्टर तोहिद को डॉक्टर पी पुष्कर डॉक्टर चंदन कुमार डॉक्टर बी कमार ने शाल उड़ाकर अवार्ड सम्मानित किया । डॉक्टर अब्दुल रऊफ तहिद को 28 नेशनल कन्वेंशनल ऑन युनानी मेडिसिन ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस गुजरात स्टेट सितंबर 2017 को अहमदाबाद में सम्मानित किया गया था।

खराब मौसम के कारण केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का विमान झालावाड़ में उतरा

-भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

रामगंजमंडी/कोटा (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का रविवार को कोटा आगमन प्रस्तावित था, लेकिन खराब मौसम के चलते उनका विमान झालावाड़ की कोलाना हवाई पट्टी पर उतरा। उनके आगमन पर भाजपा नेता अखिलेश मेड़तवाल एवं नरेंद्र राजा के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आत्मीय एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया। स्वागत के पश्चात केंद्रीय मंत्री शेखावत सड़क मार्ग से झालावाड़ से खानपुर एवं बारां होते हुए कोटा के लिए रवाना हुए। कोटा पहुंचकर वे अटल जनशताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों, कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के समापन समारोह तथा आर्ट हिल आयोजन में सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष

अखिलेश मेड़तवाल ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर के नेतृत्व में 23, 24 एवं 25 जनवरी को रामगंजमंडी में आयोजित होने वाली बाबा बागेश्वर धाम की कथा में पधारने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री के आगमन को संगठन के लिए प्रेरणादायी बताया और कार्यक्रमों की सफलता की कामना की।

सारा अर्जुन

ने धुरंधर की सफलता पर दर्शकों का आभार व्यक्त किया

अभिनेत्री सारा अर्जुन ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अपनी फिल्म धुरंधर को मिली शानदार सफलता के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया। आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर पांच दिसंबर को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपए से भी अधिक की कमाई की है।फिल्म में रणवीर सिंह ने मुख्य किरदार निभाया है, साथ ही संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन और राकेश बेदी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्माण आदित्य धर और उनके भाई लोकेश धर ने अपने बैनर बी62 स्टूडियोज के माध्यम से जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है। सारा ने लिखा, मेरे सबसे मजबूत धुरंधर, दर्शक (8230) लंबे समय से यह चर्चा हो रही थी कि दर्शकों के पास लंबी कहानी सुनने का धैर्य नहीं है, ध्यान कम हुआ है और सिनेमा अब अपनी जगह नहीं बना पा रहा। लेकिन आपने इसे गलत साबित कर दिया। आपने सभी को दर्शकों की असली ताकत याद दिला दी। अभिनेत्री (20) ने कहा कि इस सफलता ने उन्हें कृतज्ञता से अभिभूत कर दिया है और ऐसे प्रोत्साहन से उन्हें शक्ति मिलती है।

जय भानुशाली और माही विज

शादी के 15 साल बाद एक-दूजे से हुए अलग

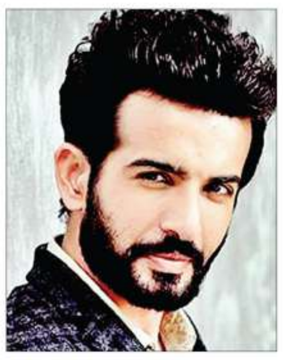

टीवी के पॉपुलर एक्टर जय भानुशाली और माही विज को लेकर चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। दरअसल, जय भानुशाली और माही विज शादी के 15 साल बाद एक-दूजे से अलग हो चुके हैं। इस बात का खुलासा खुद जय और माही ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर किया है। बताते चलें कि जय और माही लोगों के पसंदीदा कपल्स में से एक थे। दोनों की प्रेम कहानी भी बेहद फिल्मी है। जय भानुशाली और माही विज की पहली मुलाकात एक दोस्त की पार्टी में हुई थी। जहां दोनों एक-दूजे को देखकर दिल तो दे बैठे, लेकिन उनकी ज्यादा बातें नहीं हो पाई थीं। ऐसे में उनकी ये मुलाकात अधूरी ही रह गई थी। जय भानुशाली और माही विज की मुलाकात एक साल बाद फिर से एक क्लब में हुई। जहां एक-दूसरे को देखने के बाद उनके मन में तितलियां उड़ने लगीं। यहीं से दोनों की प्रेम कहानी का सिलसिला शुरू हुआ था। जय भानुशाली ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि जब वह शादी के लिए तैयार होंगे, उसके बाद ही किसी के साथ रिलेशनशिप में आएंगे। ऐसे में माही विज उनकी पहली और आखिरी गर्लफ्रेंड थीं। उन्होंने 3 महीने में ही तय कर लिया था कि माही विज ही वह लड़की हैं, जिसके साथ उन्हें घर बसाना है। एक्टर ने 31 दिसंबर, 2009 को माही विज को शादी के लिए प्रपोज किया था। वहीं विदेश जाकर दोनों ने ईसाई रीति-रिवाजों से शादी रचाई।? जय भानुशाली और माही विज की शादी में सबको बुलाया गया था, लेकिन कोई भी उनकी शादी में नहीं आया। लेकिन मेरा मानना है कि जब सही इंसान आपके सामने होता है तो आप बाकी सब छोड़ देते हैं। माही ने मेरी जिंदगी बदल दी है। जय भानुशाली और माही विज ने 2011 में शादी रचाई थी। लेकिन उनका रिश्ता लंबे वक्त तक जमाने से छुपा रहा। जय भानुशाली और माही विज की शादी की पोल एक पार्टी के दौरान खुली। दरअसल, उस पार्टी में माही विज मंगलसूत्र पहनकर गई थीं, जिसके बाद तरह-तरह की बातें बननी शुरू हो गईं। वहीं एक्ट्रेस ने बताया था कि हम कोई शोर-शराबा नहीं चाहते थे। लेकिन अगर कोई पूछता था तो हम बता देते थे।

बिग बॉस के रनरअप रह चुके जय दुधाने को एयरपोर्ट से हिरासत में लिया गया

5 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

मुंबई एयरपोर्ट से बिग बॉस मराठी 3 के रनरअप जय दुधाने को हिरासत में लिया गया। उन पर 5 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप है। जय दुधाने को ठाणे पुलिस ने मुंबई एयरपोर्ट से हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, जय दुधाने पर आरोप है कि उन्होंने कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार कर एक ही दुकान को कई लोगों को बेच दिया, जिससे कई खरीदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस मामले में दर्ज एफआईआर में जय दुधाने के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों- दादा, दादी, मां और बहन से भी पूछताछ की जा रही है। जय दुधाने एक जाने-माने फिटनेस ट्रेनर, एथलीट, मॉडल और उभरते अभिनेता हैं। वे ठाणे के रहने वाले हैं और जिम व्यवसाय से भी जुड़े हुए हैं। ठाणे पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान और भी अहम खुलासे होने की संभावना है. फिलहाल मामले में विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। बता दें कि बिग बॉस मराठी 3 कलर्स मराठी पर 2021 में प्रसारित हुआ था। इसे महेश मांजरेकर ने होस्ट किया था और विशाल निकम इसके विनर थे। जय दुधाने इस शो के फर्स्ट रनरअप रहे थे। इसे जियो सिनेमा पर मराठी में देख सकते हैं। जय दुधाने एमटीवी स्प्लिट्सविला 13 के विनर रहे थे। शो को रणविजय सिंह और सनी लियोनी ने होस्ट किया था. जय दुधाने और अदिति राजपूत इस सीजन के विजेता बने थे। जय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं।

सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री किया प्रपोज

खान परिवार की बहु बनेंगी टीना रिजवानी

सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने अपनी लॉन्ग-टाइम गर्लफ्रेंड टीना रिजवानी से सगाई कर ली है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। खान परिवार की होने वाली बहू टीना रिजवानी कॉर्पोरेट जगत से हैं, जो कम्युनिकेशन लीडर के तौर पर काम करती हैं। सलमान खान के भांजे अयान अग्निहोत्री ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड टीना रिझवानी से सगाई कर ली है। अयान ने टीना के साथ प्रपोजल फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की है। फोटो शेयर करते ही सोशल मीडिया पर गॉसिप का अड्डा बन गया। अयान के इस पोस्ट पर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ढेर सारी बधाई दे रहे हैं। आपको बता दें कि टीना रिझवानी लाइमलाइट से दूर रहती है, भले ही पब्लिक फिगर नहीं हैं, वह कॉर्पोरेट स्पेस से आती हैं। मीडिया रिपोर्ट में पता चला है कि टीना कम्यूनिकेशन्स में काम करती हैं और ब्लू एडवाइजरी से असोसिएट हैं जहां उनका कम्यूनिकेशन्स में लीडरशिप रोल हैं। जानकारी के मुताबिक, टीना साल 2024 में इस कंपनी से जुड़ी थीं। टीना और अयान काफी समय से रिलेशनशिप में हैं। फोटोज शेयर कर उन्होंने लिखा, अपनी गर्लफ्रेंड को 2025 में छोड़ दिया। फोटोज में आप देख सकते है कि अयान ने इस प्रपोजल को कितना खास रखा था। उन्होंने पूल को गुलाब के फूलों से सजाया था और काफी फायरवर्क्स भी किए थे। बता दें कि, अयान ने बतौर सिंगर अपना ऑफिशियल डेब्यू यूनिवर्सल लॉ सिंगल से किया। उन्हें गानों से प्यार हैं।

एक बार फिर इमोशंस का तूफान लेकर आ रहे करण जौहर

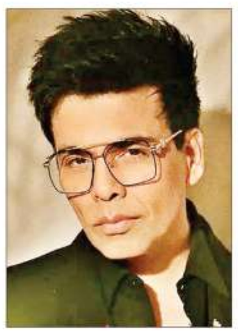

फिल्म इडंस्ट्री के जाने माने निर्माता-निर्देशक करण जौहर एक बार फिर फैमिली ड्रामा फिल्म के साथ वापसी करने वाले हैं। नए साल की शुरुआत मेंही करण अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर सुर्खियों में छा गए हैं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म इमोशनल फैमिली ड्रामा होगी, जो उनकी सुपरहिट फिल्म कभी खुशी कभी गम की याद दिला सकती है। करण जौहर की कुछ-कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम और कभी अलविदा ना कहना जैसी कई ऐसी फिल्में दी है, जिनकी कहानियों ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया था। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक अब करण जौहर कभी खुशी कभी गम का पार्ट 2 लेकर आ रहे हैं।

गोविंदा के खुद को गोली मारने के बाद अस्पताल के बाहर खड़ी थी 200 पुलिस, भांजी रागिनी खन्ना का खुलासा

गोविंदा ने साल 2024 में गलते से खुद को गोली मार ली थी। जिसके बाद फौरन अस्पताल ले जाया गया था। उनके फैंस से लेकर परिवारवाले सभी परेशान हो गए थे। हालांकि फिर वह ठीक हो गए थे। अब उनकी भांजी रागिनी खन्ना ने इस बार में बताया कि अस्पताल के बाहर 200 पुलिसकर्मी तैनात थे। जब मामा के साथ हुए इस वाकये के बारे में पता चला था तो वह सदमे में आ गई थीं।रागिनी खन्ना ने मामा गोविंदा के गोली वाली घटना के बारे में खुलकर बात की है और बताया कि उस दिन क्या हुआ था। कामिनी खन्ना की बेटी ने पत्रकार विक्की लालवानी के साथ बातचीत में कहा, 'मेरी मां ने मुझे बताया कि उन्हें फोन आया था कि चिची मामा को गोली लग गई है। हम उस समय सदमे में थे, फिर मेरी मां ने मुझे बताया कि उन्होंने खुद को गोली मार ली है।'

एक्ट्रेस ने आगे बताया, 'मेरी मां तुरंत अस्पताल पहुंचीं और मैं सदमे में थी। मैं थोड़ा भावुक थी उस वक्त। इसलिए, मैंने अस्पताल थोड़ी देर में जाने का फैसला किया था। मैं 3 घंटे देर से पहुंची। मेरी मां और भाई तुरंत पहुंच गए थे।'

एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि फैंस को इस बात पर यकीन नहीं कि एक्टर ने खुद गोली चलाई थी। तो इस पर जवाब आया, 'अस्पताल में ही 200 पुलिसवाले मौजूद थे और घर के बाहर 50 पुलिसकर्मी ये जानने के लिए खड़े थे कि क्या हुआ था।'

सारा अली खान

बर्फ की वादियों में मना रहीं छुट्टियां

सारा अली खान इन दिनों अपने भाई और दोस्तों के साथ बर्फ की वादियों में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने ड्रीम वेकेशन की कई फोटोज शेयर की हैं जो नेटिजेंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। सारा अली खान ने अपने नए साल की शुरुआत अपने दादा जी के घर पटौदी पैलेस में की थी। अब एक्ट्रेस ने बर्फ की वादियों में अपने वेकेशन की खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं। किसी फोटो में सारा अली खान पटौदी पैलेस में सुकून भरे पल बिताती नजर आ रही हैं, तो कहीं कश्मीर के गुलमर्ग की बर्फीली वादियों में अपने भाई इब्राहिम अली खान के साथ मस्ती करती दिखाई दे रही है। एक्ट्रेस की एक खास फोटो लोगों का खूब ध्यान खींच रही है जिसमें वो अपने भाई इब्राहिम के कंधे पर बैठकर बर्फबारी का मजा लेते दिख रही है. एक्ट्रेस ने कई फोटोज शेयर किए हैं जिनमें वो अपने दोस्तों के साथ अपना वेकेशन पूरी तरह से एंजॉय करते दिख रही हैं। सारा अली खान ने इन फोटोज के साथ एक खूबसूरत कैप्शन भी लिखा है। वो अपने इंस्टाग्राम के पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, 'मेरी मन्नत हमेशा नसीब हो ऐसी जन्नत'। इसके साथ ही उन्होंने दुआ वाली इमोजी भी शेयर की है। एक फोटो में 'केदरनाथ' फेम एक्ट्रेस सूट पहने दिख रही हैं। उन्होंने अपनी फ्रेंड के साथ फोटो शेयर की है जिसमें वो कलरफुल सूट पहने दिख रही हैं। वो इस फोटो में बेहद खूबसूरत लग रही है। सारा अली खान और इब्राहिम खान अपने दोस्तों के साथ आग के जलाकर सर्दियों का लुत्फ उठाते दिख रहे हैं। इन फोटोज से अंदाजा लगाया जा रहा कि एक्ट्रेस जमकर अपनी छुट्टियों का लुत्फ उठा रही हैं। सारा की फोटोज पर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया है।

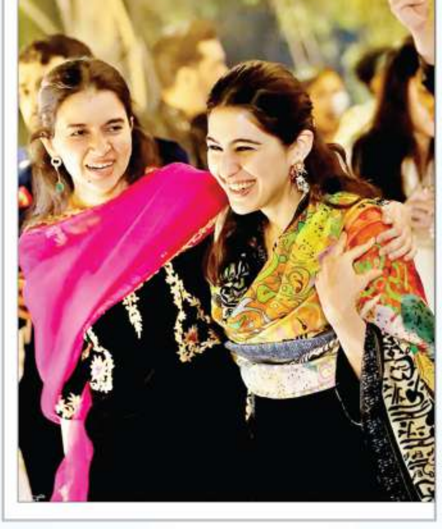

(साभार एजेंसी)

नितीश रेड्डी के वनडे टीम में चयन पर भड़का पूर्व भारतीय बैटर

- कहा- ऋतुराज गायकवाड़ के साथ हुई नाइंसाफी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम व चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बैटर एस बद्रीनाथ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम में नितीश कुमार रेड्डी को सेलेक्ट करने के लिए बीसीसीआई मेन्स सेलेक्शन कमेटी की आलोचना की है। उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड के बावजूद सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाए।

नितीश रेड्डी को क्यों चुना गया - बद्रीनाथ ने अपने यूट्यूब वीडियो में अपने विचार शेयर करते हुए कहा कि वनडे टीम में नितीश रेड्डी को क्यों चुना गया इसका कारण उन्हें समझ में नहीं आया वो भी तब जब भारत के पास पहले से ही टीम में अनुभवी ऑलराउंडर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि ऋतुराज गायकवाड़ को टीम से बाहर किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है और उन्हें जब भी मौका मिला है अच्छा प्रदर्शन किया है। बद्रीनाथ ने कहा कि भारतीय वनडे टीम में दो ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर जब मौजूद हैं तब भी नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में क्यों चुना गया ये बात उनकी समझ में नहीं आया। वे कहते हैं कि नितीश रेड्डी एक ऑलराउंडर है, लेकिन गेंदबाज़ी में उसकी हर जगह पिटाई हो रही है और ऋतुराज गायकवाड़ के साथ नाइंसाफी हुई है। नितीश-यशस्वी आउट, श्रेयस इन, रोहित-गिल ओपनर; न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11 बद्रीनाथ ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऋतुराज टीम में नहीं हैं और नितीश रेड्डी टीम में हैं ऐसा आखिर क्यों है। इसमें निश्चित रूप से कुछ गड़बड़ है।

राहुल-पंत दोनों को मौका!

एआई ने चुनी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के लिए भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम 2026 में अपने अभियान की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से करेगी। 3 मैचों की सीरीज के लिए शनिवार (3 जनवरी) को भारतीय टीम का ऐलान हो गया। कप्तान शुभमन गिल और उप-कप्तान श्रेयस अय्यर की वापसी हुई। हालांकि, अय्यर का खेलना तय नहीं है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की मेडिकल टीम से हरी झंडी मिलने पर ही वह खेल पाएंगे। इसके अलावा ड्रॉप किए जाने के अटकलों के बीच ऋषभ पंत को बतौर दूसरे विकेटकीपर टीम में मौका मिला। जनसत्ता.कॉम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच के लिए भारत की प्लेइंग 11 चुनने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया। चैट जीपीटी ने भारत की प्लेइंग 11 में श्रेयस अय्यर के साथ केएल राहुल और ऋषभ पंत दोनों को मौका दिया। उसने सिर्फ एक स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को चुना।

चैट जीपीटी द्वारा चुनी गई भारत की प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/बल्लेबाज), रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा।

फुटबॉल जगत में शोक, बुल्गारिया के महान फुटबॉल खिलाड़ी और कोच का निधन

सोफिया, एजेंसी। बुल्गारिया के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी और कोच दिमितार पेनेव का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बुल्गारियाई फुटबॉल यूनियन ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। पेनेव वही कोच थे जिनकी अगुआई में बुल्गारिया की राष्ट्रीय टीम ने 1994 फीफा विश्व कप में चौथा स्थान हासिल किया था, जो आज तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जाता है।

देश-विदेश से श्रद्धांजलि - दिमितार पेनेव के निधन पर बुल्गारिया के फुटबॉल क्लबों, खिलाड़ियों और कोचों ने शोक व्यक्त किया। इसके साथ ही देश के निवर्तमान प्रधानमंत्री रोसेन ज़ेल्याज़कोव ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। फुटबॉल जगत में उनके योगदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें एक महान खिलाड़ी और प्रेरणादायी कोच बताया।

क्रिस्टो स्टोइचकोव का भावुक संदेश - बुल्गारिया के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टो स्टोइचकोव ने फेसबुक पर भावुक पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा, 'वह व्यक्ति जिसने हमें दुनिया में चौथा स्थान दिलाया। वह व्यक्ति जिसने हममें से दर्जनों लोगों को इंसान और एथलीट के रूप में गढ़ा। शांति से आराम करें, बॉस। आपको कभी नहीं भुलाया जाएगा।'

शानदार खिलाड़ी करियर - दिमितार पेनेव ने अपने खेल करियर में सीएसकेए सोफिया के लिए 13 वर्षों तक खेला और उन्हें बुल्गारिया के शीर्ष सेंटर-बैक खिलाड़ियों में गिना जाता था। उन्होंने 1966, 1970 और 1974 के फीफा विश्व कप में बुल्गारिया का प्रतिनिधित्व किया। पेनेव ने कुल 90 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और दो बार 'बुल्गारियाई फुटबॉलर ऑफ द ईयर' का सम्मान हासिल किया।

कोच के रूप में भी बेमिसाल सफर - खिलाड़ी के बाद कोच के रूप में भी दिमितार पेनेव का करियर बेहद सफल रहा। वह 2012 तक कोचिंग में सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने तीन बुल्गारियाई लीग खिताब, चार बुल्गारियाई कप और एक बुल्गारियाई सुपर कप जीता। साल 2019 में वह सलाहकार के रूप में एक बार फिर सीएसकेए सोफिया क्लब से जुड़े थे।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आएगी बांग्लादेशी टीम, आईपीएल विवाद के बीच बीसीबी का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश की टीम आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने के लिए भारत नहीं जाएगी. बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की पुष्टि की है. नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बैठक के बाद इस बात का फैसला लिया है. अब इंतजार इस बात का है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल का इस मुद्दे पर क्या रुख होता है क्योंकि इस बड़े इवेंट के लिए शेड्यूल वगैरह तो आईसीसी ही तैयार करती है. आसिफ नजरुल ने फेसबुक पर लिखा, 'बांग्लादेश विश्व कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आज (4 जनवरी) यह फैसला लिया है. हम इस फैसले का स्वागत करते हैं, जो इंडियन क्रिकेट बोर्ड की आक्रामक सांप्रदायिक नीतियों के जवाब में लिया गया है. बीसीबी का ये फैसला बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर करने के बाद लिया गया है.

भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया था कि वो मुस्ताफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज कर दे. केकेआर ने बीसीसीआई के निर्देशों का पालन करते हुए मुस्ताफिजुर को रिलीज कर दिया था.

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड:

रूट और ब्रूक के 154 रन जोड़ने के बाद सिडनी टेस्ट में अचानक रुका खेल, हो गया ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। सिडनी टेस्ट में पहले दिन का खेल अचानक रोक दिया गया. समय से पहले ही टी-ब्रेक ले लिया गया. ऐसा तब हुआ जब इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक विकेट पर जमे थे. अपनी पारी को बड़े स्कोर में बदलने की ओर दोनों बढ़ चले थे और जब तक खेल रुका तब तक साथ मिलकर इंग्लैंड के स्कोर बोर्ड में 154 रन जोड़ भी चुके थे. अब सवाल है कि सिडनी टेस्ट में खेल को अचानक रोका क्यों गया? इस सवाल का जवाब है खराब रोशनी और बारिश.

खराब रोशनी और बारिश ने रोका खेल - सिडनी टेस्ट के पहले दिन के पहले सेशन का खेल शानदार चला. पहले सेशन में ऑस्ट्रेलिया को 3 सफलता हाथ लगी. लेकिन, दूसरे सेशन यानी लंच के बाद का खेल पूरी तरह से इंग्लैंड की झोली में जाता दिखा. जो रूट और हैरी ब्रूक दोनों जिम्मेदारी से अपनी इनिंग को अंजाम दे रहे थे. लेकिन, अचानक ही खेल को खराब रोशनी की वजह से रोक दिया गया. बारिश की आशंका को देखते हुए पिच और ग्राउंड को कवर कर दिया गया. बाद में ये आशंका हकीकत में भी बदल गई. सिडनी में तेज़ बारिश होने लगी.

रूट और ब्रूक के 154 रन जोड़ने के बाद रुका खेल - सिडनी टेस्ट में जिस वक्त खराब रोशनी के चलते खेल रुका, जो रूट 103 गेंदों पर 72 रन बनाकर खेल रहे थे. यानी वो अपनी 67 हाफ सेंचुरी टेस्ट में जड़ चुके थे. वहीं हैरी ब्रूक 92 गेंदों पर 78 रन बनाकर खेल रहे थे. बड़ी बात ये है कि सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड की ढहती पारी को संभालने वाले ये दोनों खिलाड़ी काउंटी क्रिकेट में यॉर्कशर के लिए भी साथ खेलते है.

क्रिकेट इतिहास

जब 21 साल के बल्लेबाज ने 6 गेंदों में बना दिए 48 रन! जानिए कैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर जब कभी 'एक ओवर में क्या-क्या हो सकता है' की बात होगी, तो अफगानिस्तान के युवा बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल का नाम जरूर लिया जाएगा. महज 21 साल की उम्र में अटल ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जो दो साल बाद भी अटूट रिकॉर्ड के तौर पर कायम है. एक ही ओवर में 48 रन बनाना और उसमें 7 छक्के जड़ देना आज भी क्रिकेट फैंस को हैरान कर देता है. यह ऐतिहासिक पल काबुल प्रीमियर लीग के एक मुकाबले में देखने को मिला, जब शाहीन हंटर्स और अबासिन डिफेंडर्स आमने-सामने थे. 19वें ओवर तक शाहीन हंटर्स की हालत ज्यादा मजबूत नहीं थी. टीम 6 विकेट खोकर 158 रन पर थी और दबाव साफ दिख रहा था. क्रीज पर कप्तान सेदिकुल्लाह अटल टिके हुए थे, लेकिन मैच अभी भी बराबरी का लग रहा था. इसी ओवर में गेंदबाजी के लिए आए बाएं हाथ के स्पिनर आमिर जजई. पहली ही गेंद नो-बॉल रही और अटल ने उसे सीधा स्टैंड्स में भेज दिया. इसके बाद गेंदबाज का कंट्रोल पूरी तरह टूट गया. लगातार वाइड गेंदें, फ्री हिट और फिर एक के बाद एक गगनचुंबी छक्के. उस एक ओवर में कुल 48 रन बने. अटल ने सात छक्के जड़े और इसी दौरान सिर्फ 48 गेंदों में शतक भी जड़ दिया. यह किसी भी मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया. आमिर जजई के लिए यह ओवर किसी बुरे सपने से कम नहीं था. उन्होंने अपने चार ओवर में 79 रन लुटा दिए. अटल की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर शाहीन हंटर्स ने 6 विकेट पर 213 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. जवाब में अबासिन डिफेंडर्स की टीम दबाव में बिखर गई और सिर्फ 121 रन पर ऑलआउट हो गई. हंटर्स ने यह मुकाबला 92 रनों से अपने नाम किया. इस मैच में अटल 56 गेंदों में नाबाद 118 रन बनाकर लौटे. उनकी पारी में 7 चौके और 10 छक्के शामिल थे. काबुल के पास लोगर से आने वाले इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 2023-24 में अफगानिस्तान के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया. अब तक वह टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल खेल चुके हैं और सीमित ओवरों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बना चुके हैं.

खतरे में आया सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड

रूट ने रचा इतिहास, सिडनी में किया कारनामा

सिडनी, एजेंसी। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में अपनी फॉर्म का लोहा मनवाते हुए एक और शानदार अर्धशतक जड़ा है। इस पारी के साथ ही रूट ने क्रिकेट जगत के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के एक बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। जो रूट अब टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

शिवनरेन चंद्रपॉल को छोड़ा पीछे

जो रूट के टेस्ट करियर का यह 67वां अर्धशतक है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज शिवनरेन चंद्रपॉल को पछाड़ दिया है। उनके नाम कुल 66 अर्धशतक थे। अब वह सचिन तेंदुलकर के 68 अर्धशतकों के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी करने से मात्र एक कदम दूर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि जिस लय में रूट बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह इसी मैच की दूसरी पारी में इस रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

संकट में हैरी ब्रूक के साथ संभाली इंग्लैंड की पारी

सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जैक क्रॉली, बेन डकेट और जैकब बेथल के सस्ते में आउट होने के बाद इंग्लैंड की टीम मुश्किल में थी। ऐसे समय में जो रूट और हैरी ब्रूक ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए एक महत्वपूर्ण शतकीय साझेदारी की। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर टीम को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया।

डेविड वॉर्नर ने बिग बैश लीग में ठोका तूफानी शतक विराट कोहली के इस महारिकॉर्ड की कर डाली बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग 2025-26 का 21वां मुकाबला सिडनी थंडर और होबार्ट हरिकेन्स के बीच बीते 3 जनवरी को सिडनी में खेला गया। यह एक हाई स्कोरिंग मुकाबला रहा, जिसको होबार्ट ने 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। भले ही यह मुकाबला सिडनी थंडर हार गई। लेकिन, उनके कप्तान डेविड वॉर्नर ने इस मैच में बड़ा कारनामा किया और भारत के स्टार और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 39 साल के डेविड वॉर्नर ने होबार्ट हरिकेन्स के खिलाफ अपनी तूफानी बल्लेबाजी से पुरानी यादें ताजा कर दीं। वॉर्नर ने दमदार शतक ठोका। वॉर्नर ने पारी का आगाज किया और 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 65 गेंद में 130 रन ठोक डाले। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 9 छक्के लगाए इस शतक के साथ ही वॉर्नर ने विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दरअसल, यह वॉर्नर का टी20 में 9वां शतक था। विराट कोहली और साउथ अफ्रीका के राइली रूसो के नाम भी टी20 फॉर्मेट में 9-9 सेंचुरी हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से उस्मान ख्वाजा का संन्यास, ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने साझा किया भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ओपनर बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 39 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा पांचवां एशेज टेस्ट उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने ख्वाजा को लेकर एक खास और भावुक संदेश साझा किया।

प्रधानमंत्री का 'ऑफ द फील्ड' संदेश

प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने सोशल मीडिया पर ख्वाजा की तारीफ करते हुए लिखा कि उन्होंने न सिर्फ मैदान पर बल्कि मैदान के बाहर भी ऑस्ट्रेलिया के लिए बहुत कुछ किया है। अल्बनीज ने कहा, 'उस्मान, आपने मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के लिए जो किया और मैदान के बाहर ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए जो मायने रखा, उसके लिए धन्यवाद। आप अपने रिकॉर्ड, अपनी विरासत और आने वाली पीढ़ियों के लिए जो उदाहरण आपने पेश किया है, उस पर गर्व कर सकते हैं।'

87 टेस्ट का शानदार सफर

इस्लामाबाद में जन्मे उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 87 टेस्ट मैच खेले। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 157 पारियों में 6206 रन बनाए, उनका औसत 43.39 रहा। इस दौरान उनके नाम 16 शतक और 28 अर्धशतक दर्ज हैं। ख्वाजा लंबे समय से ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की मजबूत कड़ी रहे हैं।

सिडनी टेस्ट से पहले किया संन्यास

ख्वाजा ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में मीडिया से बातचीत के दौरान अपने संन्यास की पुष्टि की। उनका यह फैसला एशेज सीरीज के निर्णायक टेस्ट से ठीक पहले सामने आया, जिसने क्रिकेट जगत को भावुक कर दिया।पांचवें एशेज टेस्ट के पहले दिन स्टंप तक इंग्लैंड ने 45 ओवर में 3 विकेट पर 211 रन बना लिए। जो रूट और हैरी ब्रूक चौथे विकेट के लिए नाबाद 154 रन की साझेदारी की। रूट 72 रन और ब्रूक 78 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 35 रन की ओपनिंग साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर ने एक-एक विकेट लिया।

ममदानी ने ट्रंप से फोन पर बात की, वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को युद्ध का कृत्य बताया

» न्यूयॉर्क, भाषा।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े जाने के विरोध में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सीधे बात की। ममदानी ने एक संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमले को युद्ध का कृत्य करार दिया। मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में आपराधिक आरोप तय किए गए हैं और उन्हें आरोपों का सामना करने के लिए शहर लाया गया है। ममदानी ने एक प्रेस वार्ता में वेनेजुएला की स्थिति और मादुरो को पकड़े जाने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति को फोन किया और इस कृत्य को लेकर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए उनसे सीधे बात की। उन्होंने कहा, मैंने अपना विरोध दर्ज कराया।

मैंने अपनी बात साफ-साफ कह दी और बात वहीं खत्म हो गई। हालांकि ममदानी ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि ट्रंप ने उन्हें क्या जवाब दिया। यह असाधारण अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम ममदानी के न्यूयॉर्क शहर के मेयर के रूप में शपथ लेने के ठीक दो दिन बाद हुआ है। शनिवार सुबह, ममदानी को उनके चीफ ऑफ स्टाफ और पुलिस आयुक्त समेत प्रशासन के अधिकारियों ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े जाने और न्यूयॉर्क शहर में संघीय हिरासत में रखने जाने के बारे में जानकारी दी। ममदानी ने कहा कि सत्ता परिवर्तन का खुलेआम प्रयास न्यूयॉर्कवासियों को प्रभावित करता है, जिनमें शहर में रहने वाले वेनेजुएला के लोग भी शामिल हैं। नव नियुक्त मेयर ने एक बयान में कहा, किसी संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला करना युद्ध का कृत्य है और संघीय एवं अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। इस बीच, संसद के निचले सदन की स्थाई सेलेक्ट कमेटी ऑन इंटेलिजेंस के वरिष्ठ सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि हालांकि मादुरो एक अवैध तानाशाह हैं जिन्होंने वेनेजुएला के लोगों को भारी पीड़ा पहुंचाई है लेकिन यह वास्तविकता किसी भी राष्ट्रपति को कांग्रेस (संसद) की अनुमति के बिना सैन्य बल का प्रयोग करने का खुला अधिकार नहीं देती। कृष्णमूर्ति ने कहा, संसद की अनुमति के बिना कार्य करके और सार्वजनिक रूप से एक अन्य संप्रभु राष्ट्र पर अमेरिकी नियंत्रण का दावा करके, ट्रंप राष्ट्रपति की शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं और संविधान में शक्तियों के पृथक्करण को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन को अमेरिकी कर्मियों की सुरक्षा के बारे में तुरंत जवाब देना होगा और यह खुलासा करना होगा कि क्या कोई हताहत हुआ है तथा कांग्रेस को पूरी और तत्काल जानकारी देनी होगी।

मादुरो को लेकर विमान न्यूयॉर्क पहुंचा

काराकस। अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े गए वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को लेकर एक विमान न्यूयॉर्क पहुंच गया है। अमेरिका ने शनिवार तड़के एक आश्चर्यजनक सैन्य अभियान में मादुरो और उनकी पत्नी को सैन्य अड्डे पर स्थित उनके आवास से पकड़ लिया था और उन्हें पहले एक अमेरिकी युद्धपोत पर ले जाया गया था। उन्हें अमेरिका में न्याय मंत्रालय द्वारा लगाए गए मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश में भाग लेने के आरोप में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। मादुरो को लेकर विमान शनिवार देर दोपहर न्यूयॉर्क में उतरा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वेनेजुएला में सुरक्षित सत्ता हस्तांतरण होने तक अमेरिका उस देश का प्रशासन संभालेगा। अमेरिका की यह कार्रवाई तेल समृद्ध वेनेजुएला पर महीनों से बढ़ाए जा रहे दबाव की परिणति है। ट्रंप ने कहा कि सत्ता हस्तांतरण होने तक अमेरिका वेनेजुएला का प्रशासन चलाएगा। ट्रंप ने कहा, हम लातिन अमेरिकी देश की बागडोर तब तक संभालेंगे जब तक हम एक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण नहीं कर लेते।

चीन ने अमेरिका से मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने की मांग की

बीजिंग, (भाषा)। चीन ने रविवार को अमेरिका से वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने तथा संवाद व बातचीत के माध्यम से मुद्दों को हल करने का आह्वान किया। चीनी विदेश मंत्रालय ने यहां जारी एक बयान में कहा, अमेरिका द्वारा अपदस्थ किए गए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को जबरन हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने पर चीन गहरी चिंता व्यक्त करता है। इसमें कहा गया कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों तथा सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन है। बयान में कहा गया, चीन अमेरिका से अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करने, उन्हें तुरंत रिहा करने, वेनेजुएला सरकार को गिराने का प्रयास रोकने तथा संवाद एवं बातचीत के माध्यम से मुद्दों को हल करने का आह्वान करता है। इससे पहले शनिवार को मंत्रालय ने वेनेजुएला पर अमेरिकी हवाई हमलों और मादुरो तथा उनकी पत्नी की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए इसे एक वर्चस्ववादी कृत्य बताया जो अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर रूप से उल्लंघन करता है। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला के खिलाफ अमेरिकी हवाई हमलों और मादुरो तथा उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी की घोषणा किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि वह एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ अमेरिका द्वारा बल का खुलेआम इस्तेमाल किए जाने और उसके राष्ट्रपति के खिलाफ कार्रवाई से बेहद स्तब्ध है।

वेनेजुएला के अधिकारी सैन्य अभियान में बच गए

वेनेजुएला में आखिर सत्ता किसके हाथ में है, लोग परेशान

» काराकस, भाषा।

अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर देश से बाहर ले जाए जाने के बाद शनिवार को देश के लोग यह समझने के लिए परेशान रहे कि उनके राष्ट्र की बागडोर आखिर किसके हाथ में है। मादुरो ने 2.9 करोड़ की आबादी वाले इस राष्ट्र में असफल तख्तापलट के एक प्रयास, कई सैन्य विद्रोहों, बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों और आर्थिक प्रतिबंधों का सामना किया था। वेनेजुएला की राजधानी काराकस के निवासी जुआन पाब्लो पेट्रोन ने पूछा, कल क्या होगा? जैसे ही शहर में दहशत फैली, सड़कें तुरंत सुनसान हो गईं, सिवाय सुपरमार्केट और पेट्रोल पंपों के, जहां लोग लंबी कतारों में खड़े दिखे। देश की बागडोर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है कि वेनेजुएला पर अमेरिका नियंत्रण कर लेगा और ऐसा संभवतः मादुरो के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक के साथ मिलकर किया जाए।

वेनेजुएला में राष्ट्रपति की दौड़ में अगली उम्मीदवार और साल 2018 से उपराष्ट्रपति पद संभाल रहीं डेल्सी रोड्रिगेज राष्ट्र की तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था के साथ-साथ इसकी कुख्यात खुफिया सेवा का काम भी देखती हैं। शनिवार को वेनेजुएला के उच्च न्यायालय ने उन्हें राष्ट्रपति का पद अंतरिम रूप से संभालने का आदेश दिया। ट्रंप ने पत्रकारों से रोड्रिगेज के बारे में कहा, वह वेनेजुएला को फिर से महान बनाने के लिए जो कुछ भी आवश्यक समझती हैं, वह करने को तैयार हैं। रोड्रिगेज को वेनेजुएला के लोकतंत्र को कमजोर करने में कथित भूमिका के लिए ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा था। ट्रंप ने कहा कि विपक्षी नेता एवं पिछले साल नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मारिया कोरिना मचाडो के पास देश चलाने के लिए आवश्यक समर्थन नहीं है। उन्होंने कहा कि रोड्रिगेज ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के साथ लंबी बातचीत की। ट्रंप के दावे के अनुसार उन्होंने कहा, हम आपकी हर ज़रूरत पूरी करेंगे। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत ही विनम्र हैं। हम यह जोखिम नहीं उठा सकते कि कोई और वेनेजुएला की सत्ता संभाले जो वेनेज़ुएला के लोगों के हितों को ध्यान में न रखे। वेनेजुएला के अधिकारी सैन्य अभियान में बच गए और कम से कम फिलहाल तो वे अपने पदों पर काबिज हैं। इस बात का तत्काल कोई संकेत नहीं मिला कि अमेरिका वेनेजुएला की सरकार का संचालन कर रहा है। हालांकि, अदालत के आदेश से पहले रोड्रिगेज ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की तत्काल रिहाई की मांग की तथा अमेरिकी अभियान की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन बताया रोड्रिगेज़ ने कहा, इस देश में केवल एक ही राष्ट्रपति हैं, और उनका नाम निकोलस मादुरो है। ट्रंप ने संकेत दिया कि संविधान में उल्लिखित सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया के अनुसार, रोड्रिगेज़ पहले ही वेनेजुएला की राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले चुकी हैं। लेकिन सरकारी टीवी ने शपथग्रहण समारोह का प्रसारण नहीं किया।

अमेरिका में रह रहे वेनेजुएला के लोगों ने मादुरो के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई पर जश्न मनाया

डोराल (अमेरिका), (भाषा)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी सेना द्वारा पकड़ लिए जाने और अमेरिका लाने की खबर फैलते ही, दक्षिण फ्लोरिडा में रहने वाले वेनेजुएला के लोग जश्न मनाने लगे और कुछ लोग वहां का झंडा कंधों पर लपेट कर आजादी का नारा लगाने लगे। अमेरिका की सैन्य कार्रवाई से वेनेजुएला के कुछ निवासियों को अपने प्रियजनों से दोबारा मिलने का सपना पूरा होता हुआ दिखाई देने लगा है। मादुरो को पकड़ने की खबर फैलते ही मियामी के उपनगर डोराल में लोग एक रैली के लिए इकट्ठा हुए। इस इलाके में लगभग आधी आबादी वेनेजुएला मूल की है और यहीं पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक गोल्फ रिसॉर्ट है। डोराल में वेनेजुएला की संस्कृति के केंद्र, एल अरेपाज़ो रेस्तरां के बाहर, एक व्यक्ति ने गत्ते का एक टुकड़ा पकड़ रखा था जिस पर काले मार्कर से स्वतंत्रता लिखा हुआ था। यह भावना वेनेजुएला मूल के अन्य लोगों ने भी व्यक्त की थी जो अपने देश के लिए एक नई शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं, और स्वतंत्रता, स्वतंत्रता, स्वतंत्रता के नारे लगा रहे थे। साल 1997 में अमेरिका आई एलेजांद्रा अरिएटा ने कहा हम भी बाकी सब लोगों की तरह ही हैं - जाहिर है, यह भावनाओं का एक मिलाजुला रूप है। डर भी है। उत्साह भी है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के निर्वासित लोगों में आशा की किरण जगी है। मादुरो को पकड़े जाने के घटनाक्रम ने डेविड नुनेज के लिए वेनेजुएला में अपने प्रियजनों से मिलने की उम्मीद जगाई है। नुनेज ने बताया कि वेनेजुएला में राजनीतिक सक्रियता के कारण उत्पीड़न झेलने के बाद छह साल पहले वे अमेरिका भाग आए थे और तब से उन्होंने अपनी बेटियों (उम्र आठ और 17 साल) को नहीं देखा है। इस बीच वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन हुए।

न्यूज ब्रीफ

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई खतरनाक मिसाल कायम करती है: संरा प्रमुख

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने वेनेजुएला और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई पर चिंता जताते हुए कहा कि ये घटनाक्रम खतरनाक मिसाल कायम करते हैं। महासचिव के प्रवक्ता की ओर से शनिवार को जारी बयान में कहा गया कि गुतारेस वेनेजुएला में हाल में हुए उस घटनाक्रम से अत्यंत चिंतित हैं जिसके तहत अमेरिका ने आज देश में सैन्य कार्रवाई की और क्षेत्र के लिए इसके संभावित रूप से चिंताजनक निहितार्थ हो सकते हैं। गुतारेस ने कहा कि वेनेजुएला की स्थिति से अलग, ये घटनाक्रम एक खतरनाक मिसाल कायम करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की गहरी चिंता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान नहीं किया गया।

मादुरो और उनकी पत्नी पर न्यूयॉर्क के संघीय अधिकारियों ने मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश और अमेरिका के खिलाफ विनाशकारी उपकरण रखने की साजिश के आरोपों में अभियोग लगाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार तड़के ट्रुथ सोशल पर घोषणा की थी कि अमेरिका ने वेनेजुएला और मादुरो के खिलाफ बड़े पैमाने पर सफलतापूर्वक हमला किया और मादुरो को उनकी पत्नी के साथ पकड़ लिया गया है एवं उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर किया गया।

जिया के निधन पर शोक संदेश भेजने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गए शोक संदेश के लिए आभार व्यक्त किया और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को याद किया। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं एवं बीएनपी की वरिष्ठ नेता जिया का 30 दिसंबर को निधन हो गया था। बीएनपी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, माननीय नरेन्द्र मोदी आपके शोक संदेश और श्रद्धांजलि के लिए हम हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। बांग्लादेश-भारत संबंधों में बेगम खालिदा जिया के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को जिया के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और बीएनपी नेता एवं जिया के बड़े बेटे तारिक रहमान को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शोक संदेश सौंपा था। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों में प्रधानमंत्री पद के प्रबल दावेदार रहमान से मुलाकात के दौरान, जयशंकर ने विश्वास व्यक्त किया कि जिया का दृष्टिकोण और मूल्य दोनों देशों के बीच साझेदारी का मार्गदर्शन करेंगे। रहमान वर्तमान में बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता व्यक्त करता रहा है।

सीरिया में आईएस के संदिग्ध ठिकाने पर ब्रिटेन, फ्रांस के युद्धक विमानों का हमला

» दमिश्क (सीरिया), भाषा।

ब्रिटेन और फ्रांस के युद्धक विमानों ने मध्य सीरिया में एक भूमिगत ठिकाने पर हवाई हमला किया, जहां इस्लामिक स्टेट समूह के सदस्यों द्वारा हथियार और विस्फोटक जमा किए जाने का संदेह है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के बयान के अनुसार,ये हमले शनिवार शाम को सीरिया के होम्स प्रांत में ऐतिहासिक शहर पल्मायरा के ठीक उत्तर में पहाड़ों में स्थित ठिकानों पर हुए। ब्रिटेन और फ्रांस अमेरिका के नेतृत्व वाले उस गठबंधन का हिस्सा हैं जो एक दशक से अधिक समय से आईएस आतंकवादियों से लड़ रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि ब्रिटिश सेना ने टाइफून एफजीआर4 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। संयुक्त हमले में फ्रांसीसी विमान भी शामिल थे। ब्रिटिश वायु सेना ने ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए निर्देशित बमों का इस्तेमाल किया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा, यह कार्रवाई ब्रिटेन के नेतृत्व और मध्य पूर्व में आईएस और उसकी हिंसक विचारधाराओं के किसी भी उभार को खत्म करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

ईरान में विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या 15 हुई

» दुबई, भाषा।

ईरान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के कारण भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है। एक मानवाधिकार एजेंसी ने यह जानकारी दी। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने रविवार सुबह बताया कि ईरान के 31 प्रांतों में से 25 प्रांतों में 170 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन हुए हैं। उसने बताया कि मरने वालों की संख्या कम से कम 15 हो गई है और 580 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता ने देश में अशांति उत्पन्न करने वाले विरोध प्रदर्शनों को लेकर कहा कि दंगाइयों पर सख्ती करनी होगी।

सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की ए टिप्पणियां एक सप्ताह से जारी प्रदर्शनों के प्रति अधिकारियों को अधिक आक्रामक रुख अपनाने की अनुमति देने का संकेत प्रतीत होती हैं। विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा के संबंध में 86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई की यह पहली टिप्पणी है। विरोध-प्रदर्शन का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर तेहरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करता है, तो अमेरिका उनको बचाने के लिए आगे आएगा। यह हालांकि, अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं और यदि करेंगे तो कैसे करेंगे लेकिन उनकी टिप्पणियों को लेकर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया दी। ईरान के अधिकारियों ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने की धमकी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया है। मादुरो तेहरान के लंबे समय से सहयोगी रहे हैं। यह 2022 के बाद से ईरान में सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। पुलिस हिरासत में 2022 में 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत के बाद देशव्यापी प्रदर्शन हुए थे। अमीनी को अधिकारियों ने हिजाब न पहनने के कारण हिरासत में लिया था। खामेनेई ने कहा, हम प्रदर्शनकारियों से बात करते हैं, अधिकारियों को भी उनसे बात करनी चाहिए। लेकिन दंगा करने वालों से बात करने का कोई फायदा नहीं है। दंगा करने वालों को उनकी जगह दिखानी होगी। उन्होंने ईरान के अधिकारियों द्वारा लगातार किए जाने वाले एक दावे को भी दोहराया कि इजराइल या अमेरिका जैसी विदेशी ताकतें विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा दे रही हैं लेकिन उन्होंने इसका कोई सबूत नहीं दिया। उन्होंने ईरान के रियाल के गिरते मूल्य के लिए भी दुश्मन को दोषी ठहराया।

नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया

काठमांडू। नेपाल के उदयपुर जिले में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप मापन तथा अनुसंधान केंद्र (एनईएमआरसी) के अनुसार, भूकंप के झटके शनिवार रात 10 बजकर 51 मिनट पर महसूस किए गए, जिसका केंद्र उदयपुर जिले के बागापाटी क्षेत्र में था। भूकंप के झटके आसपास के जिलों में भी महसूस किए गए। इससे पहले शनिवार सुबह पश्चिमी नेपाल के ताप्लेजुंग जिले में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। नेपाल में अक्सर भूकंप आते रहते हैं और यह देश अत्यधिक सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों में स्थित होने के कारण भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइल: दक्षिण कोरिया

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में रविवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि सेना को सुबह सात बजकर 50 मिनट पर उत्तर कोरिया की राजधानी के इलाके से कई बैलिस्टिक मिसाइलें प्रक्षेपित किए जाने का पता चला। बयान में कहा गया कि मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तट की ओर से दागी गईं, लेकिन यह नहीं बताया कि वे कितनी दूर तक गईं। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने अपनी निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर लिया है और उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपणों के संबंध में अमेरिका व जापान के साथ लगातार सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रहे हैं। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी उत्तर कोरिया द्वारा संदिग्ध मिसाइल प्रक्षेपण किए जाने की सूचना दी है।

इस प्रक्षेपण के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की आगामी कांग्रेस (पार्टी की सर्वोच्च स्तर की बैठक) से पहले हथियारों का प्रदर्शन करने की ताजा घटना है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया कांग्रेस से पहले रक्षा क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां दिखाने के लिए हथियार परीक्षणों में तेजी ला सकता है। पर्यवेक्षक इस बात पर नजर रख रहे हैं कि क्या उत्तर कोरिया अमेरिका के प्रति कोई नई नीति निर्धारित करेगा और लंबे समय से ठप पड़ी वार्ता को फिर से शुरू करने के उसके आह्वान पर प्रतिक्रिया देगा। यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शिखर वार्ता के लिए चीन रवाना होने से कुछ घंटे पहले हुआ। इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कोरिया ने कहा था कि उसने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइल दागी है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चीन पहुंचे

हांगकांग। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग चार दिवसीय यात्रा पर रविवार को चीन पहुंचे। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब ताइवान को लेकर चीन और जापान के बीच बढ़े तनाव के बाद चीन दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों को और मजबूत करने का इच्छुक है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है। चीन इसे अपना संप्रभु क्षेत्र बताकर इस पर दावा करता है। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने रविवार को अपनी खबर में बताया कि ली बीजिंग पहुंच गए हैं। जून में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ली जे म्युंग की चीन की यह पहली यात्रा है। इस दौरान ली अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग से मुलाकात करेंगे। यह सिर्फ दो महीनों में उनकी दूसरी बैठक होगी। चीन के साथ बढ़े तनाव के बीच जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने नवंबर में कहा था कि यदि चीन ताइवान के खिलाफ कार्रवाई करता है।

बांग्लादेश में एक हिंदू व्यापारी की हत्या के सिलसिले में तीन गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के शरीयतपुर जिले में एक हिंदू व्यवसाई पर धारदार हथियार से हमला करने और जलाकर मार डालने के मामले में रविवार को तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। ढाका से लगभग 100 किलोमीटर दूर शरीयतपुर जिले के दामुड्या में केउरभांगा बाजार के पास बुधवार रात को 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास पर हमला किया गया था। शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई। प्रथम आलो अखबार ने कहा कि रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) की एक टीम ने रविवार सुबह ढाका से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में किशोरगंज से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान दामुड्या के सोहाग खान (27), रब्बी मोल्या (21) और पलाश सरदार (25) के रूप में हुई है। आरएबी मदारिपुर कैंप कंपनी कमांडर पुलिस अधीक्षक मीर मुनीर हुसैन ने प्रथम आलो को बताया कि आरोपियों को किशोरगंज से मदारिपुर कैंप लाया जा रहा है। मदारिपुर, शरीयतपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। मीडिया में बृहस्पतिवार को आई खबरों में कहा गया था कि दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का व्यवसाय करने वाले दास एक ऑटो-रिक्शा से यात्रा कर रहे थे, तभी हमलावरों ने वाहन को रोका और उनकी कथित तौर पर पिटाई की, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर उनके सिर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि खुद को बचाने की कोशिश में दास सड़क किनारे एक तालाब में कूद गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शोर मचाया। हमलावर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने उन्हें तालाब से निकाला और शरीयतपुर सदर अस्पताल ले गए, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें ढाका के लिए रेफर कर दिया गया।

लैटिन अमेरिका में तड़के ऑपरेशन : अमेरिका पहले भी ऐसी स्थिति का सामना कर चुका है

समीक्षा : अमेरिकी सेना ने सत्ता परिवर्तन के लिए दक्षिण अमेरिका में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं किया था

» फिलाडेल्फिया, भाषा।

अमेरिका ने छुट्टियों के दौरान आधी रात को एक लैटिन अमेरिकी देश के भीतर अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य इस बहाने से उस देश के नेता को पकड़ना था कि वह अमेरिकी अदालतों में मादक पदार्थों के आरोपों में वांछित है। अमेरिका के इस अभियान की तारीख 20 दिसंबर 1989 थी, देश पनामा था और वांछित व्यक्ति जनरल मैनुअल नोरीगा थे। अमेरिका में तीन जनवरी, 2026 को जागने वाले कई लोगों को शायद डेजा वू (पहले भी ऐसा हो चुका है) का अहसास हुआ होगा। हालांकि, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी अमेरिकी विदेश नीति के एक पुराने युग की याद दिलाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि एक रात्रिकालीन अभियान में अमेरिकी सैनिकों ने दंपति को वेनेजुएला की राजधानी काराकस से पकड़ लिया और उन्हें वहां से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यह घटना ट्रंप द्वारा असाधारण सैन्य अभियान के रूप में वर्णित घटना के बाद हुई, जिसमें अमेरिका के वायु, थल और नौसैनिक बलों को शामिल किया गया था। मादुरो और उनकी पत्नी को मादक पदार्थों से संबंधित आरोपों का सामना करने के लिए न्यूयॉर्क ले जाया गया। मादुरो पर 2020 में आतंकवाद-मादक पदार्थों से संबंधित अभियान का नेतृत्व करने के आरोप में अभियोग लगाया गया था, जबकि उनकी पत्नी को चार अन्य नामित वेनेजुएलावासियों के साथ एक नए अभियोग में शामिल किया गया था। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि उन्हें वेनेजुएला में आगे किसी कार्रवाई की उम्मीद नहीं है। बाद में ट्रंप ने

कहा कि उन्हें अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी से डर नहीं है। चाहे कुछ भी हो जाए, अमेरिका-लैटिन अमेरिकी संबंधों के विशेषज्ञ के रूप में, मैं वेनेजुएला में अमेरिकी अभियान को हाल के अतीत से एक स्पष्ट बदलाव के रूप में देखता हूं। किसी विदेशी नेता को सत्ता से बेदखल करना भले ही वह संदिग्ध चुनावी तरीकों से सत्ता पर काबिज रहा हो एक प्रकार का तदर्थ साम्राज्यवाद है और यह ट्रंप प्रशासन की आक्रामक नीतियों का स्पष्ट संकेत है। यह उस राजनयिक दृष्टिकोण को त्याग देता है जो दशकों से अंतर-अमेरिकी संबंधों की पहचान रहा है। दरअसल, 1990 के दशक की शुरुआत में सोवियत संघ के पतन के बाद से ही इस क्षेत्र में संभावित प्रभाव क्षेत्रों पर वैचारिक पकड़ कमजोर हो गई। परंपरा से हटकर : ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल के शुरुआती कार्यों में से एक, मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करना, इस नई नीतिगत दिशा के अनुरूप है। लेकिन कई मायनों में, ट्रंप प्रशासन द्वारा मादुरो को हटाने के लिए चलाए गए अभियान का कोई पूर्व उदाहरण नहीं है। इससे पहले, कभी भी अमेरिकी सेना ने सत्ता परिवर्तन के लिए दक्षिण अमेरिका में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं किया था। वाशिंगटन की पिछली सभी प्रत्यक्ष कार्वाइयां मध्य अमेरिका या कैरेबियाई क्षेत्र के छोटे, निकटवर्ती देशों में थीं। अमेरिका ने मैक्सिको में अक्सर हस्तक्षेप किया लेकिन उसने कभी भी सीधे तौर पर उसके नेतृत्व को नहीं हटाया या पूरे देश पर कब्जा नहीं किया। दक्षिण अमेरिका में हस्तक्षेप अप्रत्यक्ष रूप से किए जाते थे: लिंडन जॉनसन के पास ब्राजील में 1964 के तख्तापलट के असफल होने की स्थिति में एक वैकल्पिक योजना थी रिचर्ड निक्सन ने 1970 से चिली में समाजवादी सरकार को कमजोर किया, लेकिन उन्होंने 1973 में राष्ट्रपति सल्वाडोर अलेंडे के खिलाफ तख्तापलट की साजिश नहीं रची। एक समय अमेरिकी अधिकारियों का मानना था कि दक्षिण अमेरिकी देश बहुत दूर, बहुत बड़े और बहुत स्वतंत्र हैं, इसलिए उन्हें प्रत्यक्ष हस्तक्षेप की आवश्यकता महसूस नहीं होती।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886